मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 127
मंगलवार, 18 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

दिल्ली ब्लास्टः दोषियों को पाताल से भी ढूंढ़ निकालेंगेः अमित शाह

हरियाणा, 17 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार दिल्ली विस्फोट के दोषियों को पाताल लोक से भी ढूंढ निकालेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें उनके अपराध के लिए कड़ी से कड़ी सजा मिले। गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद को जड़ से खत्म करना उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता है। शाह ने एक्स पर लिखा कि उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता की।

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी जी के 'सशक्त राज्य, सशक्त राष्ट्र' के दृष्टिकोण को साकार करते हुए, क्षेत्रीय परिषदों ने संवाद, सहयोग और समन्वय के माध्यम से राज्यों के बीच नीतिगत तालमेल सुनिश्चित किया है, जिससे भारत क्षेत्रीय शक्ति, राष्ट्रीय प्रगति और वैश्विक नेतृत्व के पथ पर अग्रसर है। महिलाओं और बच्चों को त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी से सटे हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता की और क्षेत्र के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान राज्य और दिल्ली, जम्मू कश्मीर, लद्दाख एवं चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी (हरियाणा), सुखविंदर सिंह सुक्खू (हिमाचल प्रदेश), भगवंत मान (पंजाब), भजनलाल शर्मा (राजस्थान), रेखा गुप्ता (दिल्ली), उमर अब्दुल्ला (जम्मू-कश्मीर), पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा (जम्मू-कश्मीर) और वीके सक्सेना (दिल्ली) ने बैठक में हिस्सा लिया।

उन्होंने बताया कि बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों की त्वरित जांच जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि बैठक की शुरूआत में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। उन्होंने बताया कि बैठक में केंद्र, राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

न्यायालय ने धर्मांतरण निरोधक कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस भेजा

नई दिल्ली, 17 नवम्बर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर राजस्थान सरकार और अन्य से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने जयपुर कैथोलिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दायर याचिका पर राज्य और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने कहा, हमने विधायी क्षमता के साथ-साथ संवैधानिक सीमाओं के संदर्भ में अतिरेक का मुद्दा भी उठाया है।

पीठ ने कहा कि इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली याचिकाएं शीर्ष अदालत के समक्ष विचाराधीन हैं। धवन ने कहा, हमने एक बिल्कुल अलग सवाल उठाया है। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम नोटिस जारी करेंगे

और दूसरे पक्ष को बुलाएंगे और फिर आपकी बात सुनेंगे।

पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई चार हफ्ते बाद के लिए निर्धारित कर दी। पीठ ने इस याचिका को इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न कर दिया।

तीन नवंबर को शीर्ष अदालत राजस्थान में लागू अवैध धर्मांतरण निरोधक कानून के कई प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई।

इसने राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर सितंबर में राज्य विधानसभा द्वारा पारित वर्ष 2025 के अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। सितंबर में ही शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने कई राज्यों से उनके धर्मांतरण निरोधक कानूनों पर रोक लगाने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाओं पर उनका रुख पूछा था। तब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि जवाब दाखिल होने के बाद वह ऐसे कानूनों के संचालन पर रोक लगाने के अनुरोध पर विचार करेगी। उस समय पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक सहित कई राज्यों द्वारा लागू किए गए धर्मांतरण निरोधक कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर विचार कर रही थी।

ट्रैक्टर ने मारी दो मोटरसाइकिलों में टक्कर, तीन की मौत, दो घायल

नोएडा, 17 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के नोएडा में दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर कनारसी गांव के पास रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो मोटरसाइकिलों में टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौत हो गयी एवं दो अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी।

दनकौर के थाना प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक ऊंची दनकौर का हीरालाल (25) रविवार को अपनी भाभी तुलसी (36), भतीजी कुमकुम (12) और भतीजे देवा (10) के साथ मोटरसाइकिल से बुलंदशहर के वैर कस्बे में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा थे। तभी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने कनारसी गांव के नजदीक उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। सिंह के अनुसार इस हादसे में बाइक पर सवार चारों

घायल हो गए। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर ने जुनेदपुर गांव के गौरव नागर (23) की मोटरसाइकिल में भी टक्कर मार दी। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस के मुताबिक चिकित्सकों ने हीरालाल, तुलसी और गौरव को मृत घोषित कर दिया। घायल बच्चों को इलाज चल रहा है। इस हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। परिजनों ने बताया गौरव एक अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट था। शनिवार रात ड्यूटी करने के बाद वह अपने घर लौट रहा था। कोतवाली प्रभारी ने बताया आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प संग काशी में गुंजा लौह पुरुष का जयघोष

- सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर वाराणसी कैंट में उमड़ा उत्साह, भव्य एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब
- सरदार पटेल आधुनिक भारत के शिल्पकार : ब्रजेश पाठक

सुरेश गांधी

वाराणसी। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर वाराणसी का माहौल एकता, राष्ट्रभक्ति और संकल्प की भावना से सराबोर हो उठा। कैंट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक सौरभ श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित भव्य एकता यात्रा में हजारों की संख्या में नागरिक, विद्यार्थी और कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा रामलीला मैदान से शुरू होकर लंका,

अस्सी, शिवाला, सोनारपुरा व भेलूपुर होते हुए आईपी विजया मॉल तक पहुंची। पूरा मार्ग तिरंगे, राष्ट्रगीत-उद्घोषों और एकता के संकल्पों से गूंजता रहा। पूरे मार्ग पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा, पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण और राष्ट्रगीत के साथ यात्रा का स्वागत किया।

यात्रा में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री व वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि, महापौर अशोक तिवारी तिरंगा लिए सबसे आगे चल रहे थे। उनके साथ छात्र-छात्राएं, विभिन्न सामाजिक संगठन, महिला मोर्चा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए।

यात्रा प्रारंभ से पहले रामलीला मैदान में आयोजित सभा में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणा है। अगर वह न होते तो आज भारत छोटे-छोटे रियासतों में बंटा होता। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को अखंड बनाने का इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प एक भारत श्रेष्ठ भारत को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

ब्रजेश पाठक ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर इस बार कार्यक्रमों को नया स्वरूप दिया गया है ताकि समाज के हर वर्ग को उनके जीवन चरित्र और योगदान से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि बूथ से लेकर जिला व प्रदेश स्तर तक व्यापक कार्यक्रम होंगे। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में विकास के साथ विरासत को भी नए रूप में स्थापित किया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, श्रीराम मंदिर, महाकाल लोक, विद्या कॉरिडोर—ये सब भारत की अस्मिता को पुनर्जीवित करने वाले कार्य हैं। प्रदेश के वित्त मंत्री व काशी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने पटेल की उपेक्षा को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा सरदार पटेल का व्यक्तित्व इतना विशाल था कि उन्होंने अपने घर के अंधेरे की चिंता किए बिना देश के गरीबों के घरों में उजाला करने का संकल्प लिया। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें कभी वह सम्मान नहीं दिया जिसका वह हकदार थे। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा नेहरू ने महात्मा गांधी के माध्यम से सरदार पटेल को कांग्रेस अध्यक्ष और स्वतंत्र भारत का प्रधानमंत्री बनने से रोका। उन्हें सिर्फ गृहमंत्री बनाया गया, लेकिन उसी पद पर रहते हुए उन्होंने 562 रियासतों को जोड़कर भारत को अखंड राष्ट्र बनाया। सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टैचू ऑफ यूनिटी बनवाकर न केवल सरदार पटेल को वास्तविक सम्मान दिया।

पीसीआई द्वारा राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर नेशनल मीडिया सेंटर नई दिल्ली में पत्रकारों के महाकुंभ का आयोजन

नई दिल्ली। रंजना प्रसाद देसाई -अध्यक्ष पी सी सीआई, पत्रकारों को हर दशा में अपनी विश्वसनीयता कायम रखने के लिए खबरों का सत्यापन करना आवश्यक विजय जोशी -पीटीआई अखिल भारतीय समाचार-पत्र एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित चार प्रतिनिधियों की भागीदारी। नेशनल प्रेस डे के अवसर पर राजधानी नई दिल्ली स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा एक भव्य एवं गरिमामई समारोह का आयोजन किया गया। देशभर से आए वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस दौरान मीडिया जगत में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया गया तथा पत्रकारिता के मूल्यों, चुनौतियों और बदलते परिवेश पर

विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। अखिल भारतीय समाचार-पत्र एसोशिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश चंद्र शुक्ल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, उत्तर प्रदेश महासचिव कमल कुमार श्रीवास्तव और वरिष्ठ पत्रकार देवेन्द्र त्रिपाठी ने भी अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। सभी पत्रकारों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उनकी सेवाओं की सराहना की गई।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे मुख्य अतिथि समारोह में देश के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को और भव्य बनाया। प्रमुख अतिथियों में शामिल रहे अश्विनी वैष्णव – केंद्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी डा.एल. मुरुगन राज्य मंत्री, सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई अध्यक्ष, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया विजय जोशी – विशेष अतिथि अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता, साहस और निष्पक्षता अत्यंत आवश्यक है। आज के समय में फेक न्यूज, डिजिटल चुनौती और सूचना की गति के बीच तथ्यपरक पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। विजय जोशी का प्रेस डे पर वक्तव्य विशेष अतिथि विजय जोशी ने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को दिशा देने वाली सबसे प्रभावशाली शक्ति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया की जिम्मेदारी और बढ़ गई है, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैलती सूचनाओं के बीच सही तथ्य तक जनता को पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवा पत्रकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पत्रकारिता में निष्पक्षता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। इसी से समाज आप पर विश्वास करता है।

निर्वाचन आयोग ने असम में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का आदेश दिया

असम। निर्वाचन आयोग ने असम में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का सोमवार को आदेश दिया। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के लिए चुनाव प्राधिकरण द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, एक जनवरी, 2026 राज्य के लिए विशेष संशोधन करने की पात्रता तिथि होगी।अधिकारियों के अनुसार, विशेष पुनरीक्षण, मतदाता सूचियों के वार्षिक विशेष सारांश पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच की प्रक्रिया है। आयोग ने छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के लिए एसआईआर का पिछले महीने आदेश दिया था।

बिहार जीत से उभरी नई उम्मीदें और गहरी चुनौतियां

-ललित गर्ग

बिहार का यह चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं था, बल्कि लोकतंत्र की चेतना, जनता के विश्वास और नेतृत्व की विश्वसनीयता को परखने का अवसर भी था। परिणाम जिस तरह सामने आए, उन्होंने न केवल बिहार बल्कि पूरे देश एवं दुनिया को चौका दिया। यह जीत केवल गठबंधन की सामूहिक ताकत की नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्षों से स्थापित सुशासन मॉडल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता के अटूट भरोसे का परिणाम है। बिहार की महिलाओं ने इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाई है-उनकी उम्मीदें, उनका साहस और उनका भरोसा इस परिणाम के मूल में खड़ा दिखाई देता है। बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया, बल्कि खुद को परिपक्व एवं जागरूक प्रदर्शित करते हुए मूल्यों एवं विकास के मानकों पर मतदान दिया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है कि अब बिहार जंगलराज नहीं चाहता, विकास की नई सुबह देखना चाहता है, एसआईआर को वोट चोरी के रूप में दी गयीप्रस्तुति उसे स्वीकार्य नहीं हुई, वह अतीत के भ्रष्ट शासन से मुक्ति के लिये अतीत की त्रासद यादों एवं भविष्य के सुनहरे भविष्य के बीच चयन करते हुए लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की की काली छाया नहीं चाहता। भले ही तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव

को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे। नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं थे। उनकी छवि को धुंधलाने एवं उन्हें बीमार घोषित करने के भी पूरे प्रयत्न हुए लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतीक एवं सुशासन-पुरुष हैं। वह अब तक नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। लेकिन इस बार उनकी चुनौतियां भाी बड़ी है। वैसे लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जीत जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही व्यापक हो जाती हैं। बिहार में एनडीए की इस ऐतिहासिक विजय के बाद जिस दौर की शुरूआत हो रही है, वह उत्साह से कहीं अधिक जिम्मेदारी का दौर है। नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बन रहे हैं, यह अपने-आप में निरंतरता, स्थिरता और सुशासन की अपेक्षाओं को नयी ऊँचाई देता है। परंतु अब उनके सामने जो प्रश्न खड़े हैं, वे कहीं अधिक गहरे, जटिल और चुनौतीभरे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार केवल एक राजनीतिक पराजय नहीं, बल्कि परिवारवादी राजनीति के प्रति जनता की निर्णायक और स्पष्ट निष्पत्ति है। मतदाताओं ने यह संदेश दो टूक दिया है कि राजनीति किसी परिवार, वंश या व्यक्तिगत प्रभुत्व की जागीर नहीं हो सकती। खासकर क्षेत्रीय दलों में फैला वंशवाद, व्यक्तिवाद और उत्तराधिकार की अनिवार्य राजनीति जनता को लगातार विचलित करती रही है। परिणामों ने यह उजागर कर दिया कि अब मतदाता सिर्फ चेहरे और परिवारों के मोहजाल में नहीं फँसना चाहते, बल्कि वे विकास, पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को प्राथमिकता देने लगे हैं। महागठबंधन की हार उसी व्यापक जनभावना का परिणाम है, जिसमें जनता ने यह तय कर दिया कि लोकतंत्र में जनता की सत्ता सर्वोपरि है, किसी भी राजनीतिक खानदान की नहीं।

बिहार की सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। वर्षों से यह राज्य बेरोजगारी के दर्द से जूझता रहा है। करोड़ों युवाओं की आंखों में नौकरी, अवसर और सुरक्षित भविष्य का सपना है। चुनावी वादे जिस उत्तेजना के साथ किए जाते हैं, उन्हें व्यवस्थित नीति, धैर्य और राजनीतिक ईमानदारी से लागू करना किसी भी सरकार के लिए आसान कार्य नहीं होता। लेकिन जनता ने इस बार उम्मीदों की जो गठरी सौंपी है, वह स्पष्ट संकेत है कि अब पूरा बिहार ठोस काम चाहता है, खोखले वादे नहीं। दूसरी बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था की है। सुशासन का मॉडल तभी सार्थक है जब आम नागरिक के जीवन में सुरक्षा की ठोस अनुभूति हो। अपराध, राजनीतिक संरक्षण, दंगा-फसाद और अराजकता किसी भी समाज की प्रगति को रोकते हैं। नीतीश कुमार से जनता की अपेक्षा है कि वे एक बार फिर वही कठोरता, वही व्यवस्था और वही संतुलित रणनीति लेकर आएंगे, जिसने कभी ह्यजंगलराजह्न को समाप्त कर सुशासन का नया इतिहास लिखा था। महिलाओं से किए गए वादे भी अब सरकार की प्राथमिक कसौटी बनेंगे। आधी आबादी ने जिस उत्साह और भरोसे के साथ एनडीए को पुनः सशक्त किया है, यह सरकार के लिए प्रेरणा के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी है। सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान-ये पांच मुद्दे बिहार की महिलाओं की असली जरूरत हैं, और चुनावी वादों का मूल्यांकन भी अब इन्हीं पर होगा।

बिहार की अर्थव्यवस्था की मजबूती केंद्र सरकार के सहयोग पर भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनके विकास-एजेंडे ने इस चुनाव को निर्णायक रूप दिया। जब केंद्र और राज्य की नीतियों में तालमेल होगा, तब ही आर्थिक सुधार, निवेश, उद्योग, रोजगार-सृजन और आधारभूत संरचना के बड़े सपने साकार होंगे। बिहार को अब केवल वित्तीय सहायता की ही नहीं, बल्कि विकास की स्थायी संरचना की जरूरत है, जिससे आने वाली पीढ़ियां लाभान्वित हों। लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा प्रश्न मन को झकझोरता है-लोकतंत्र में चुनाव कब तक केवल ह्यसौदेबाजीह्न बने रहेंगे? कब तक वादों की भीड़, लुभावने नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर जनता के विश्वास की खरीद-फरोख्त चलती रहेगी? आखिर लोकतंत्र की स्वस्थ दिशा क्या हो? यह चुनाव परिणाम हमें इस सवाल के सामने खड़ा करता है कि राजनीति को फिर से मूल्यों, दृष्टि, दीर्घकालिक योजनाओं और नैतिकता की ओर लौटना होगा। लोकतंत्र की प्रतिष्ठा तभी बचेगी जब राजनीति भविष्यदर्शी बने, जब चुनाव उत्सव कम और उत्तरदायित्व अधिक हों।

बिहार, जिसे कभी पिछड़ेपन, गरीबी, पलायन और अपराध का प्रदेश कहा जाता था, आज भारतीय लोकतंत्र का एक जीवंत प्रयोगशाला बन गया है। यह प्रदेश भविष्य में किस दिशा में जाएगा, यह केवल सत्ता की नीतियों पर ही नहीं, बल्कि जनता की जागरूकता, मीडिया की ईमानदारी और राजनीतिक दलों की नैतिक प्रतिबद्धता पर भी निर्भर करेगा। आज बिहार के पास अवसर है कि वह खुद को एक प्रगतिशील, शिक्षा-संपन्न, रोजगार-समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करे। बिहार की यह जीत इतिहास में दर्ज होगी-सिर्फ इसलिए नहीं कि परिणाम अप्रत्याशित थे, बल्कि इसलिए कि इसने एक नए अध्याय के लिखे जाने की उम्मीद जगाई है। अब समय है कि यह उम्मीद हकीकत में बदल सके। राजनीति तभी सार्थक होगी जब यह जनता के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने और बिहार इस दिशा में देश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

नीतीश की नई सरकार में जेडीयू-बीजेपी की बराबरी साझेदारी

-अजय कुमार

बिहार की राजनीति में यह वह क्षण है, जब सत्ता के गलियारे नए समीकरणों से भरे हुए हैं और गठबंधन की राजनीति अपने सबसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। विधानसभा चुनावों में एनडीए की जीत ने महागठबंधन को भारी झटका दिया है, लेकिन उससे भी बड़ा संदेश यह है कि इस बार जो राजनीतिक परिदृश्य बना है, वह पिछले दो दशकों की तुलना में एकदम अलग और बिल्कुल नई बुनियाद पर टिकने वाला मॉडल तैयार कर रहा है। पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर को होने वाला शपथ ग्रहण सिर्फ सरकार गठन का औपचारिक कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि यह उस नए सत्ता-संतुलन की शुरूआत होगी, जिसमें जेडीयू और बीजेपी को पहली बार वास्तविक बराबरी वाली स्थिति में देखा जा रहा है। इस बार की चुनावी जंग में एनडीए ने सीट बंटवारे का जो फार्मूला अपनाया था, उसने राजनीति के पुराने मापदंडों को बदल दिया। जेडीयू और बीजेपी दोनों ने 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा और नतीजों ने इस बराबरी के प्रयोग को सियासी तौर पर मजबूती प्रदान की है। दोनों दलों के बीच केवल चार सीटों का अंतर होना इस बात का संकेत है कि सियासत का पलड़ा अब किसी एक तरफ भारी नहीं है। यही वजह है कि इस बार की सरकार में मंत्रिमंडल का हिस्सा भी उसी बराबरी वाले फार्मूले पर टिक सकता है।

यह स्थिति 2020 से बिल्कुल उलट है। 2020 में बीजेपी को 74 सीटें थीं और जेडीयू की महज 43, जिसके कारण 12-22 वाला मंत्रिमंडलीय बंटवारा बना था। तब बीजेपी का राजनीतिक कद जेडीयू से ज्यादा दिख रहा था, लेकिन इस बार नतीजों ने गठबंधन के भीतर की शक्ति-संरचना को पूरी तरह संतुलित कर दिया है। 2025 में एनडीए के कुल 202 विधायक हैं जिसमें बीजेपी के 89, जेडीयू के 85, एलजेपी (रामविलास) के 19, हम के 5, और आरएलएम के 4 विधायक शामिल हैं। इन आँकड़ों की रोशनी में यह स्पष्ट है कि नये मंत्रिमंडल के गठन में पुराने फार्मूलें का दोहराया जाना लगभग असंभव है। राजनीतिक समीकरणों की गणना से यह बात भी सामने आ रही है कि गठबंधन इस बार 6 विधायक पर 1 मंत्री का फार्मूला अपना सकता है। अगर ऐसा हुआ तो जेडीयू और बीजेपी दोनों को लगभग 15-16 मंत्री पद मिल सकेंगे। साथ ही छोटे दलों चिराग पासवान की पार्टी, मांझी की हम और कुशवाहा की आरएलएम को भी उचित प्रतिनिधित्व देने के संकेत हैं। चिराग की पार्टी को 2-3 मंत्री, जबकि मांझी और कुशवाहा को 1-1 मंत्री मिलना संभावित माना जा रहा है। यह संयोजन दिखाता है कि एनडीए इस बार सिर्फ बड़ा दिखने की राजनीति नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने की संतुलित भूमिका अपनाना चाहता है।

डिप्टी सीएम का समीकरण भी इस बार बेहद दिलचस्प होगा। 2005 से लेकर 2024 तक बीस सालों में एक परंपरा बनी रही कि जब-जब जेडीयू और बीजेपी साथ हुए, बीजेपी के हिस्से में डिप्टी सीएम की कुर्सी गई। सुशील मोदी हों, तारकेश्वर प्रसाद या रेणु देवी हर दौर में यह कुर्सी बीजेपी ने ही संभाली। 2024 की शुरूआत में जब नीतीश दोबारा एनडीए में आए तो सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को डिप्टी सीएम बनाया गया। अब सवाल यह है कि नए मंत्रिमंडल में बीजेपी को एक डिप्टी सीएम मिलेगा या दो? और क्या जेडीयू इस बार डिप्टी मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश कर सकता है? हालांकि संकेत यही हैं कि नीतीश कुमार गठबंधन की एकता बनाए रखने के लिए वही पुराना पैटर्न बरकरार रखेंगे और बीजेपी को ही डिप्टी सीएम का दायित्व मिलेगा, पर अंदरखाने मंथन लगातार जारी है। नीतीश कुमार की राजनीति हमेशा संतुलन, समझौता और स्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने के कौशल पर आधारित रही है। इस बार भी वे उसी रास्ते पर चलते दिखाई दे रहे हैं। जेडीयू को बराबरी की हिस्सेदारी दिलवाकर वे न केवल जाति-आधारित समीकरणों को मजबूती दे रहे हैं, बल्कि यह संदेश भी भेज रहे हैं कि जेडीयू अब किसी भी स्थिति में जूनियर पार्टनर बनने के लिए तैयार नहीं। उनकी रणनीति यह दिखाती है कि वे 2020 की तरह का परिदृश्य नहीं दोहराना चाहते, जिसमें बीजेपी का पलड़ा भारी हो गया था और जेडीयू कमजोर स्थिति में चली गई थी।

बिहार का राजनीतिक परिदृश्य हमेशा से संख्या, जाति और गठबंधन की बारीकियों पर टिका रहा है। इस बार के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में सत्ता की लड़ाई अब सिर्फ चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि गठबंधन के भीतर भी शक्ति का संतुलन उतना ही अहम होगा। एनडीए की नई सरकार अगर 50-50 वाले मॉडल पर खड़ी होती है, तो यह बिहार में राजनीतिक साझेदारी के एक नए अध्याय का संकेत होगा। यह वह मॉडल होगा जिसमें दोनों बड़े दलों को बराबर का सम्मान, बराबर का स्थान और बराबर का दायित्व मिलेगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। बराबरी की साझेदारी का अर्थ यह भी है कि किसी भी मुद्दे पर मतभेद उत्पन्न होने पर गठबंधन में तनाव बढ़ सकता है। दोनों दलों को मंत्रियों के चयन में समाजिक संतुलन भी ध्यान में रखना होगा अगड़े, पिछड़े, महादलित, अल्पसंख्यक, अत्यंत पिछड़ा वर्ग इन सभी का उचित प्रतिनिधित्व मंत्रिमंडल की अनिवार्य शर्त है। छोटे दलों की अपेक्षाएं भी गठबंधन के लिए परीक्षा बन सकती हैं, क्योंकि शक्ति-साझेदारी में थोड़ी भी कमी उन्हें गठबंधन से दूर कर सकती है।

इसके बावजूद यह भी सच है कि इस बार एनडीए के पास बिहार को राजनीतिक स्थिरता देने का बड़ा अवसर है। यदि यह सरकार संयुक्त जिम्मेदारी और साझा नेतृत्व के सिद्धांत पर चलती है, तो यह बिहार के विकास मॉडल को भी नई दिशा दे सकती है। बेरोजगारी, पलायन, उद्योगों का अभाव, शिक्षा और स्वास्थ्य इन सभी मोर्चों पर काम करने के लिए स्थायी और संतुलित सरकार की जरूरत है। और यह सरकार वैसी बनने की क्षमता रखती है, बशर्ते गठबंधन के भीतर संवाद और तालमेल कायम रहे। नीतीश कुमार और बीजेपी की नई पारी ऐसे समय में शुरू हो रही है जब बिहार की जनता राजनीतिक उथल-पुथल से थक चुकी है। लोग स्थिरता चाहते हैं, नीतिगत निरंतरता चाहते हैं और विकास की गति चाहते हैं। यदि जेडीयू और बीजेपी अपनी बराबरी वाली साझेदारी को सियासी अहंकार से दूर रखते हुए चलाएँ, तो यह सरकार आने वाले वर्षों में बिहार की दिशा बदलने का अवसर बन सकती है।

नई सरकार में क्या नीतीश के कद को छोटा कर सकती है बीजेपी

स्वदेश कुमार

बिहार की राजनीति एक बार फिर उस मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां सत्ता का समीकरण तो बन गया है, पर भरोसे की नींव डांवाडोल है। बीजेपी ने आखिरकार फिर से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन यह निर्णय राजनीतिक मजबूरी से ज्यादा कुछ नहीं माना जा रहा। पार्टी को यह भली-भांति पता है कि जनता और अपने कार्यकताओं के बीच नीतीश की लोकप्रियता पहले जैसी नहीं रही। चुनाव परिणामों और गठबंधन की पुनर्संरचना के बाद बीजेपी ने रणनीतिक रूप से यह फैसला किया कि फिलहाल नीतीश को मुख्यमंत्री बनाकर वह प्रदेश की स्थिरता और प्रशासनिक नियंत्रण दोनों को साध सकती है।

दिलचस्प बात यह है कि इस बार हालात पहले जैसे नहीं हैं। नीतीश कुमार भले ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहें, लेकिन उनकी राजनीतिक ताकत अब सीमित दायरे में सिमटती जा रही है। पिछले दो वर्षों में उन्होंने बार-बार गठबंधन की दिशा बदली, जिससे उनकी विश्वसनीयता में गिरावट आई। बीजेपी अब यह स्थिति दोहराना नहीं चाहती कि सत्ता में रहकर भी उसकी नीति और प्रशासनिक निर्णय किसी और के हिसाब से तय हों। इसलिए नई सरकार में मंत्री पदों का बंटवारा इस तरीके से होगा कि सत्ता का असली संचालन बीजेपी के हाथों में रहे। गृह मंत्रालय को लेकर कोई संशय नहीं है कि बीजेपी इसे अपने पास रखना चाहेगी। बिहार में कानून-व्यवस्था पिछले कई वर्षों से सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है। अपराध और भ्रष्टाचार पर लगातार उठ रही आवाजों के बीच बीजेपी यह संदेश देना चाहती है कि वह शासन को सख्ती और जवाबदेही के साथ चलाएगी। गृह विभाग उनके पास रहने से न सिर्फ पुलिस व्यवस्था पर सीधा नियंत्रण स्थापित होगा बल्कि विपक्ष को भी यह संदेश जाएगा कि अब निर्णय अकेले मुख्यमंत्री दफ्तर से नहीं होंगे। वित्त विभाग भी बीजेपी के नियंत्रण में आने की लगभग पूरी संभावना है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि विकास योजनाओं और बजट आवंटन के जरिए सरकार की छवि बनती है, ऐसे में वित्त मंत्रालय पर नियंत्रण का मतलब है प्रशासनिक शक्ति पर पूर्ण पकड़। यह कदम नीति निर्धारण में बीजेपी को निर्णायक भूमिका दिलाएगा, जबकि नीतीश कुमार का दायरा सीमित रहेगा।

नगर विकास विभाग को लेकर भी बीजेपी विशेष रुचि दिखा रही है। नगरीय निकायों में विपक्ष का प्रभाव लगातार बढ़ा है और प्रधानमंत्री आवास योजना, स्मार्ट सिटी और स्वच्छ भारत जैसे केंद्र प्रायोजित कार्यक्रमों की जमीनी सच्चाई को लेकर सवाल उठते रहे। ऐसे में बीजेपी चाहती है कि इन योजनाओं की क्रियान्वयन प्रक्रिया उसके नियंत्रण में रहे ताकि वह शहरी वोट बैंक को साध सके। इसका एक अतिरिक्त लाभ यह भी होगा कि शहरी मतदाताओं के बीच उसकी पकड़ मजबूत हो सकेगी, जो 2029 के आम चुनाव के लिहाज से बेहद अहम होगा। शिक्षा, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे विभागों में भी बीजेपी का प्रभाव बढ़ाने की मंशा साफ दिखती है। इन मंत्रालयों के माध्यम से सीधे जनता तक पहुंच बनाई जा सकती है। बीजेपी का मानना है कि विकास कार्यों का श्रेय लेने के लिए उसे सरकारी मशीनरी पर नियंत्रण रखना होगा। वहीं नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के लिए ऐसे विभाग छोड़े जा सकते हैं जो राजनीतिक रूप से कम संवेदनशील हैं, जैसे पीएचईडी, परिवहन या उद्योग मंत्रालय।

इस पूरे समीकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि बीजेपी अब बड़े भाई की भूमिका में है। पिछले कार्यकालों में जब नीतीश कुमार मजबूत स्थिति में थे, तब बीजेपी को उनके निर्णयों का अनुसरण करना पड़ता था। लेकिन इस बार परिस्थिति उलट है। विधानसभा में बीजेपी का संख्याबल नीतीश की पार्टी से ज्यादा है, और पार्टी के रणनीतिकार अब इस समीकरण को स्थायी सत्ता संतुलन के तौर पर बदलना चाहते हैं। नीतीश के पास सीमित विकल्प हैंः या तो वे गठबंधन की मजबूरी को स्वीकार करें, या फिर सत्ता से दूर रहने का जोखिम लें, जो फिलहाल उनके लिए संभव नहीं दिखता। बीजेपी केंद्र की राजनीति से भी इस निर्णय को जोड़कर देख रही है। बिहार आने वाले लोकसभा चुनावों में बेहद अहम भूमिका निभाता है। पार्टी चाहती है कि राज्य में ऐसा प्रशासनिक संदेश जाए जिससे मतदाता को लगे कि अब विकास, कानून-व्यवस्था और रोजगार जैसे मसले सरकार की प्राथमिकता में हैं। नीतीश कुमार की छवि को एक ह्लसमावेशी चेहरा बनाकर रखा जा रहा है, लेकिन असली नियंत्रण बीजेपी के हाथ में रहेगा। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि आने वाले महीनों में यदि हालात अनुकूल रहे तो पार्टी चरणबद्ध तरीके से नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ा सकती है।

बीजेपी की यह नीति व्यावहारिक भी है और दीर्घकालिक भी। पार्टी नीतीश के अनुभव का उपयोग चाहती है लेकिन उनके प्रभाव को सीमित करने का पक्ष ले रही है। इस तरह वह सत्ता में स्थिरता और संगठनात्मक नियंत्रण, दोनों को साधने की कोशिश में है। नीतीश कुमार के लिए यह चरण राजनीतिक अस्तित्व का हैः मुख्यमंत्री तो रहेंगे, पर पहले जैसी तवज्जो और निर्णय की स्वतंत्रता अब नहीं होगी। आने वाले हफ्तों में विभागों का बंटवारा हो जाएगा और उसी से स्पष्ट हो जाएगा कि सत्ता की असली बागडोर किसके हाथ में है। बिहार की राजनीति में यह अध्याय सिर्फ. गठबंधन की कहानी नहीं बल्कि ताकत के पुनर्संतुलन का संकेत है। बीजेपी अब ह्लसांझा सत्ताह्ल नहीं बल्कि ह्लसंतुलित वर्चस्वह्ल की ओर बढ़ रही है, और नीतीश कुमार को इस सच्चाई के साथ कदमताल करना ही होगा।

यूपी में जातीय रैलियों पर रोक से संगठित होता हिन्दुत्व

-संजय सक्सेना

देश में क्या विभाजनकारी राजनीति करने वाले नेताओं का अंत का समय करीब आ गया है। बिहार के नतीजों ने क्या बांटने और राज करने की राजनीति करने वाले नेताओं को सबक सिखा दिया है कि उन्हें अपनी भविष्य की राजनीति में बदलाव करना होगा। बिहार से जो संदेश निकला है, उसका प्रभाव अन्य राज्यों में भी देखने को मिल सकता है। खासकर उत्तर प्रदेश इससे सबसे अधिक प्रभावित हो सकता है। वैसे भी यूपी की योगी सरकार ने हाल ही में जातीय आधार पर होने वाली रैलियों पर प्रतिबंध लगाकर राजनीतिक दृश्य में एक बड़ा बदलाव ला दिया है। इस फैसले का भी सीधा असर अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और मायावती की बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों पर पड़ा है, जो लंबे समय से जाति आधारित राजनीति को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाए हुए हैं।योगी सरकार का यह कदम न सिर्फ राज्य की राजनीतिक संस्कृति को बदलने की कोशिश है, बल्कि यह बीजेपी के लिए एक रणनीतिक फायदा भी बन सकता है। जातीय रैलियों पर रोक लगाकर योगी सरकार उन नेताओं और दलों के मंसूबे चकनाचूर करना चाहती है, जो हिंदू समाज को जाति और उपजाति के आधार पर बांटने की सियासत में लगे रहते हैं। इस फैसले के पीछे यह विश्वास है कि जातीय रैलियां समाज में विभाजन और तनाव पैदा करती हैं, जिससे राज्य की शांति और सद्भावना को खतरा होता है। योगी सरकार का तर्क है कि राजनीति को जाति और धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि विकास, सुरक्षा और समानता के आधार पर होना चाहिए। इस निर्णय से अखिलेश यादव और मायावती जैसे नेताओं के लिए चुनौती बढ़ गई है, क्योंकि उनकी राजनीतिक रणनीति जाति आधारित वोट बैंक को जोड़ने पर टिकी हुई है। अब उन्हें नए तरीके से जनता को संबोधित करना होगा, जिसमें जाति की बजाय विकास और समानता के मुद्दे आगे आएंगे।यह फैसला बीजेपी के लिए एक बड़ा रणनीतिक फायदा भी है। बीजेपी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में हिंदू एकता की राजनीति को बढ़ावा दे रही है। जातीय रैलियों पर प्रतिबंध लगाकर योगी सरकार ने बीजेपी की इस रणनीति को और मजबूत किया है। अब जाति आधारित रैलियों के बिना अखिलेश यादव और मायावती के लिए अपने वोट बैंक को जोड़ना मुश्किल होगा, जबकि बीजेपी के लिए यह एक अवसर है कि वह हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर सके। इससे 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के पक्ष में वोट बैंक का विस्तार हो सकता है।

गौरतलब है, बिहार के चुनावों में भी इसी तरह की राजनीतिक दिशा देखने को मिली है। बिहार में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों ने एकजुट होकर बीजेपी और जनता दल यूनाइटेड के पक्ष में मतदान किया। इस एकजुटता का असर यह हुआ कि जाति आधारित राजनीति करने वाले दलों को बड़ा झटका लगा। बिहार के चुनाव ने यह संकेत दिया कि अब हिंदू समाज जाति और उपजाति के आधार पर नहीं, बल्कि विकास और सुरक्षा के मुद्दों पर वोट देने लगा है। यह रुझान उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है, खासकर जब जातीय रैलियों पर प्रतिबंध लग चुका है।योगी सरकार का यह कदम न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए चुनौती है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक बड़ा संदेश है। यह संदेश है कि अब जाति और उपजाति के आधार पर विभाजन की राजनीति नहीं चलेगी। इस फैसले से यह स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार चाहती है कि राजनीति विकास, सुरक्षा और समानता के मुद्दों पर आधारित हो। इससे न सिर्फ राजनीतिक दलों को अपनी रणनीति बदलनी होगी, बल्कि जनता को भी अपने वोट के आधार को बदलना होगा। इस फैसले के बाद अखिलेश यादव और मायावती जैसे नेताओं के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे अपने वोट बैंक को जाति के आधार पर नहीं, बल्कि विकास और समानता के मुद्दों पर जोड़ें। इससे उन्हें नए तरीके से जनता को संबोधित करना होगा, जिसमें जाति की बजाय विकास और समानता के मुद्दे आगे आएंगे। इस तरह की रणनीति अपनाने से उन्हें बीजेपी के खिलाफ एक नई राजनीतिक दिशा देनी होगी।योगी सरकार का यह कदम बीजेपी के लिए एक बड़ा रणनीतिक फायदा भी है। बीजेपी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में हिंदू एकता की राजनीति को बढ़ावा दे रही है। जातीय रैलियों पर प्रतिबंध लगाकर योगी सरकार ने बीजेपी की इस रणनीति को और मजबूत किया है। अब जाति आधारित रैलियों के बिना अखिलेश यादव और मायावती के लिए अपने वोट बैंक को जोड़ना मुश्किल होगा, जबकि बीजेपी के लिए यह एक अवसर है कि वह हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर सके। इससे 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के पक्ष में वोट बैंक का विस्तार हो सकता है।

बिहार के चुनावों में भी इसी तरह की राजनीतिक दिशा देखने को मिली है। बिहार में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों ने एकजुट होकर बीजेपी और जनता दल यूनाइटेड के पक्ष में मतदान किया। इस एकजुटता का असर यह हुआ कि जाति आधारित राजनीति करने वाले दलों को बड़ा झटका लगा। बिहार के चुनाव ने यह संकेत दिया कि अब हिंदू समाज जाति और उपजाति के आधार पर नहीं, बल्कि विकास और सुरक्षा के मुद्दों पर वोट देने लगा है। यह रुझान उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है, खासकर जब जातीय रैलियों पर प्रतिबंध लग चुका है।योगी सरकार का यह कदम न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए चुनौती है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक बड़ा संदेश है। यह संदेश है कि अब जाति और उपजाति के आधार पर विभाजन की राजनीति नहीं चलेगी। इस फैसले से यह स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार चाहती है कि राजनीति विकास, सुरक्षा और समानता के मुद्दों पर आधारित हो। इससे न सिर्फ राजनीतिक दलों को अपनी रणनीति बदलनी होगी, बल्कि जनता को भी अपने वोट के आधार को बदलना होगा।

दिल्ली विस्फोट का व्हाइट कालर मॉड्यूलआतंकवाद नेटवर्क पूरे देश में होने की आशंका

संजीव ठाकुर

10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट ने न केवल राजधानी को दहला दिया बल्कि भारत की सुरक्षा संरचनाओं के सामने आतंकवाद के उस नए स्वरूप को भी उजागर कर दिया जिसकी जड़ें पहले की तुलना में कहीं अधिक गहरी, जटिल और बहुस्तरीय हैं। यह धमाका महज एक कार में लगी आग का मामला नहीं था बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था, जिसे व्हाइट-कॉलर आतंकवाद की आधुनिक रणनीतियों द्वारा अंजाम दिया गया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार सफेद हुंडई 10 कार घंटों तक पार्किंग में खड़ी रही और शाम ठीक 6:52 पर लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास ट्रैफिक सिग्नल पर धमाका हुआ। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि कार के मालिक पुलवामा के निवासी डॉ. उमर मोहम्मद से लेकर फरीदाबाद तक फैले नेटवर्क ने इस हमले में भूमिका निभाई थी। इसी मॉड्यूल के अन्य सदस्यों डॉ. मुजम्मिल शकील और डॉ. अदिल रदर से जुड़े फरीदाबाद ठिकाने से लगभग 2,900 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें अमोनियम नाइट्रेट, टाइमर डिवाइस, डेटोनेटर और असेंबली-मटेरियल शामिल था। यह बरामदगी दिखाती है कि लाल किले के पास हुआ धमाका संभवतः एक बड़े आतंकी योजना का शुरूआती या बाधित हिस्सा था। यह भी स्पष्ट हुआ कि यह मॉड्यूल पेशेवरों, छात्रों और शिक्षित वर्ग के लोगों से बना था जो खुली हिंसा के बजाय लॉजिस्टिक्स, फंडिंग, डिजिटल संचार और योजना निर्माण में अधिक सक्रिय थे, और यही कारण था कि सुरक्षा एजेंसियों को इतने लंबे समय तक इनके संचालन का पता भी नहीं चल पाया। जांच एजेंसियों के अनुसार इस नेटवर्क की फंडिंग और वैचारिक प्रेरणा पाकिस्तान-स्थित तत्वों से जुड़ी थी, जो धार्मिक संस्थाओं, एनजीओ, छात्रवृत्तियों और सामाजिक संगठनों की आड़ में पैसा, सामग्री और निर्देश भेजते रहे। यह पूरा नेटवर्क ह्लस्थानीय ऑपरेटर्स लेकिन विदेशी मास्टर्सह्ल वाली रणनीति पर काम कर रहा था जिसमें भारत के भीतर रहने वाले प्रशिक्षित और पढ़े-लिखे लोग जमीन पर काम करते थे जबकि प्लानिंग और धन प्रवाह सीमा पार से नियंत्रित होता था। लाल किले जैसे प्रतीकात्मक स्थान को निशाना बनाना आतंकियों का मनोवैज्ञानिक युद्ध था क्योंकि लाल किला भारत की संप्रभुता, इतिहास और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। इससे पहले भी 2000 में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने लाल किले पर हमला किया था, जिसमें दो जवान और एक नागरिक की मृत्यु हो गई थी। तब भी जांच ने यह दिखाया था कि पाकिस्तान-स्थित गुटों ने भारत में अपने स्लीपर-सेल सक्रिय कर इस हमले को अंजाम दिया था। 2025 का हमला उसी श्रृंखला की एक आधुनिक पुनरावृत्ति था, फर्क केवल इतना कि इस बार आतंकियों ने हथियारबंद लड़ाकों के बजाय डॉक्टरों, विद्यार्थियों और पेशेवरों को आगे रखकर एक सोफिस्टिकेटेड नेटवर्क तैयार किया था ताकि शक कम पैदा हो और गतिविधियाँ लंबे समय तक पकड़ी न जा सकें। इस हमले ने दुनिया भर के बड़े हमलों मसलन 26/11 के मुंबई ताज होटल हमले और अमेरिका के 9/11 जैसे आतंकी प्रहारों की याद भी ताजा कर दी, क्योंकि इनमें भी समान पैटर्न देखे गए थ एक साधारण दिखने वाले मॉड्यूल के पीछे अत्यंत विस्तृत, विदेश द्वारा संचालित, लंबी योजना और गहरी घुसपैठ। मुंबई 26/11 में आतंकी समुद्र के रास्ते आए, स्थानीय मदद ली, भारतीय भूगोल की खुफिया जानकारी हासिल की और डिजिटल कम्युनिकेशन का अत्याधुनिक उपयोग किया। 9/11 में भी महत्वाकांक्षी शिक्षित युवाओं को आतंकवाद की वैचारिक ट्रेनिंग दी गई, उन्हें वित्तीय मदद उपलब्ध कराई गई और तकनीकी ज्ञान का गलत इस्तेमाल कर दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश को निशाना बनाने की योजना बनाई गई। लाल किला विस्फोट ने यह साबित कर दिया कि आतंकवाद अब बंदूकों पर नहीं, बल्कि ब्रेन-पावर, टेक्नोलॉजी, फंडिंग के एक संयुक्त मॉडल पर चल रहा है। इसी कारण इस नेटवर्क में शामिल डॉक्टर और उच्च-शिक्षित युवा आतंकवाद के नए चेहरे के रूप में देखे जा रहे हैं, उनका उद्देश्य अधिक बड़ा और दीर्घकालिक है, सामाजिक ध्रुवीकरण, राजनीतिक अस्थिरता, और सांस्कृतिक-मनोवैज्ञानिक दबाव बनाना। एनआईए, दिल्ली पुलिस, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त रूप से इस हमले की जांच शुरू की है और शुरूआती रिपोर्ट्स के अनुसार फरीदाबाद मॉड्यूल और दिल्ली विस्फोट में प्रयुक्त सामग्री में भारी समानताएँ मिली हैं। इसने यह आशंका और पुख्ता कर दी है कि यह मॉड्यूल वर्षों से भारत में सक्रिय था और शायद इसके अन्य हिस्से अभी भी देश के अलग-अलग हिस्सों में निष्क्रिय अवस्था में मौजूद हैं। यह पूरा मामला भारत के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि आज का आतंकवाद सीमाओं में बँधा हुआ नहीं है; वह अस्पतालों, विश्वविद्यालयों, छात्रवृत्तियों, डिजिटल कम्युनिकेशन, एनजीओ नेटवर्क, और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय चैनलों तक फैल गया है। इस खतरनाक स्थिति में भारत को अब केवल पारंपरिक सैन्य और पुलिस सक्रियता पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि साइबर-इंटेलिजेंस, वित्तीय निगरानी, वैचारिक काउंटर-नैरेटिव, और पेशेवर समूहों की सुरक्षा जांच को भी समान महत्व देना चाहिए। 10 नवंबर 2025 का यह धमाका हमें बताता है कि आतंकवाद अब कहीं गहरे और अदृश्य रूप में मौजूद है, जिसे पकड़ने के लिए केवल बंदूकें नहीं बल्कि व्यापक रणनीतियाँ, सामाजिक जागरूकता, तकनीकी विशेषज्ञता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी आवश्यकता है। यह घटना केवल दिल्ली का विस्फोट नहीं थी बल्कि आधुनिक आतंकवाद की उस नई भयावह पटकथा का उद्घाटन थी जिसमें दुश्मन अब हथियारों से कम और बुद्धि, तकनीक और नेटवर्क से अधिक हमला कर रहा है। इस धमाके के पीछे आतंकवादियों के बुद्धिजीवी नेटवर्क के देशभर में फैले होने की पूरी आशंका इसका निश्चित तौर पर पता लगाकर उसे पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। तब जाकर भारत की आंतरिक और नागरिकों की सुरक्षा मजबूत हो पाएगी।

ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा बेल्ट ग्रेडिंग कार्यक्रम का किया गया भव्य आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के पद्मानगर स्थित विवेकानंद इंग्लिश स्कूल में ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा बेल्ट ग्रेडिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां अलग-अलग स्कूलों से कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर स्पर्धा को सफल बनाया । बतादें कि भिवंडी शहर ग्रामीण तथा ठाणे जिला में कार्यरत ब्रेव यूथ मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष नंदी पुरस्कार से सम्मानित 7 वीं डिग्री ब्लैक बेलट होल्डर ग्रैंडमास्टर राजाराम एल. देवासानी और उनकी टीम पूरे जिले में विद्यार्थियों को कराटे का प्रशिक्षण वर्षों से देते आ रहे हैं जिन्हें और भी निपुण बनाने के लिए सेल्फ डिपेंड बनाने व अलग-अलग स्तर पर स्पर्धा का आयोजन करते रहते हैं । इसी तरह भिवंडी के पद्मानगर स्थित विवेकानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में बेल्ट ग्रेडिंग स्पर्धा का आयोजन किया गया जहां अलग-अलग स्कूलों से लगभग 100 से अधिक कराटे खिलाड़ियों ने सहभागी होकर उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये अपनी प्रतिभा का परिचय दिया । इस स्पर्धा में बी.टी. गायकवाड़ स्कूल कल्याण , विवेकानंद इंग्लिश माध्यम स्कूल पद्मानगर , विकास इंग्लिश मीडियम स्कूल पद्मानगर , टाटा आमंत्रा शाखा , अरिहंत सिटी शाखा , पूर्णा विलेज शाखा आदि शाखा एवं स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया । जिसमे मुख्य परीक्षक की भूमिका में नंदी पुरस्कार से सम्मानित 5वीं डिग्री ब्लैक बेल्ट होल्डर ग्रैंड मास्टर अशोक एल. देवासानी , बीवाईएमए के असिस्टेंट चीफ इंचार्ज मिथुन सी एच भोई , मैनेजिंग डायरेक्टर भरत एल देवासानी , असिस्टेंट इंस्पेक्टर मयूरी सोदे , आनंद सोनी , करण जैसवार , अरमान सिरोहा , आदित्य बाजपेयी , मोनिका एगा , प्रेरणा , वैभवी , कामाक्षी आदि का विशेष योगदान रहा है । उक्त अवसर पर हाई रेंज बुक आफ वर्ल्ड ?रिकार्ड होल्डर राजाराम देवासानी ने कहा कि आज मार्शल आर्ट और सेल्फ डिफेंस अति आवश्यक है विशेष रुप से लड़कियों के लिये जिसके लिये सभी स्कूलों में सप्ताह में एक सेल्फ डिफेंस लेक्चर का होना आवश्यक है ।

जन्मदिन के अवसर पर ढाई एकड़ जमीन म्हात्रे द्वारा स्कूल को दान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के चिंचपंगा गाँव के समाजसेवी और उद्योगपति जनार्दन म्हात्रे और उनके मित्र उद्योगपति एकनाथ म्हात्रे का जन्मदिन चिंचपंगा गाँव में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दोनों को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देने वालों की लंबी कतार लगी रही। जनार्दन म्हात्रे के मित्रों और दोस्तों ने उनकी खूब प्रशंसा की। वे जनकल्याण और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहे हैं। मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए माथेरन में ढाई एकड़ जमीन दान करने के लिए उनकी प्रशंसा की गई।

बताया जाता है कि जनार्दन म्हात्रे केडीएमसी के पूर्व नगर सेवक से लेकर गट नेता तक रहे हैं और उनका जीवन सामाजिक गतिविधियों से भरा रहा है। म्हात्रे ने माथेरन में एक अच्छा स्कूल बनाने के लिए मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए माथेरन में लगभग ढाई एकड़ जमीन दान की इसी तरह, जनार्दन म्हात्रे ने अपने जीवन में कई परोपकारी कार्य किए हैं। उनके मित्रों और सहकर्मियों ने उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

शिक्षक रामजनम बुद्ध देव मिश्रा का सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगरपालिका माध्यमिक विद्यालय, राजडा नगर, बोरीवली (पश्चिम) में शिक्षक रामजनम बुद्ध देव मिश्रा के सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन भावपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के अध्यक्ष, पूर्व उप-शिक्षणा अधिकारी अशोक सिंह के सान्निध्य और आशीर्वाद से कार्यक्रम विशेष रूप से आलोकित रहा। कार्यक्रम में पूर्व अधीक्षक यशवंत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में, तथा भारत संचार निगम के अधिकारी देवेंद्र कुमार उपाध्याय, पूर्व लेखा अधिकारी ईश्वर चंद्र तिवारी विशेष/सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। 31 वर्ष 10 माह 13 दिन की उत्कृष्ट सेवाएँ रामजनम बुद्ध देव मिश्रा ने 13 जनवरी 1994 को शिक्षक के रूप में अपने कार्यकाल की शुरूआत की थी। लगभग 32 वर्षों की सेवाओं के दौरान उन्होंने अपनी दक्षता, नेतृत्व क्षमता और समर्पण से विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों पर उनका प्रभाव आज भी प्रेरणादायी है। गरिमामय उपस्थिति और सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं अनेक पूर्व छात्राएँ उपस्थित रहीं। उपस्थित प्रमुख नामों में–राजीव मिश्रा, अमरनाथ यादव, लक्ष्मी शंकर तिवारी, रमेश चंद्र मिश्रा, श्रीमती कारुलकर, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, श्याम नारायण मिश्रा, गोपाल निषाद, दूदार्ना शेख, रविंद्र पाठक, केपी सिंह चौहान, लज्जा मिश्रा, ट्विंकल मिश्रा, प्रतिभा पाठक, आराधना मिश्रा, डॉ. चंदन मिश्रा आदि शामिल रहे। दैनिक उत्तर शक्ति के पत्रकार तारकेश्वर पांडे तथा महुआ चैनल की सुप्रसिद्ध गायिका ममता उपाध्याय और सुशील मिश्रा ने अपने लोकगीतों से सभी का मनोरंजन किया। सूत्र संचालन एवं आभार कार्यक्रम का संचालन राज्य पुरस्कार प्राप्त अरविंद तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अशोक सिंह द्वारा किया गया। समारोह के अंत में सभी उपस्थित जनों ने शिक्षक रामजनम बुद्ध देव मिश्रा के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

मीरा भायंदर में खड़ी अनूठी बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी सरनाईक की महान शक्ति' हैः एकनाथ शिंदे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में करोड़ों शिव सैनिकों के हृदय में विराजमान, महाराष्ट्र की अस्मिता का हर पल पुरजोर उद्घोष करने वाले, पूज्य हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के स्मृति दिवस के अवसर पर आज मीरा-भायंदर शहर में एक ऐतिहासिक क्षण निर्मित हुआ। हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे कलादलन आज से आम जनता के लिए आधिकारिक रूप से खोल दिया गया। इस अवसर पर पूज्य बालासाहेब की स्मृति को नमन करने और उनकी स्मृति को उज्जवल करने के लिए महाराष्ट्र के प्रिय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपस्थित थे। साथ ही, इस कलादलन की संकल्पना के जनक और प्रवर्तक, महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप

इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने आज इस कलादलन के माध्यम से मीरा-भायंदर शहर में एक ऐतिहासिक स्वप्न को साकार किया है। पूरे देश में यह पहली प्रौद्योगिकी आधारित आर्ट गैलरी, जो हिंदू धर्म के सम्राट, श्रद्धेय बालासाहेब ठाकरे के जीवन दर्शन की अविस्मरणीय झलक प्रदान करेगी, न केवल मीरा-भायंदर शहर के लिए बल्कि आम जनता के लिए भी बहुत खुशी की बात होगी।

इस ऐतिहासिक समारोह में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के, आयुक्त राधा बिनोद शर्मा, इंजीनियर दीपक खाम्बित, युवा नेता पूर्वेश सरनाईक सहित शिवसेना के नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

उभरते चित्रकारों के लिए अपनी कला के प्रदर्शन हेतु यहां एक विशेष आर्ट गैलरी स्थापित की गई है। मुंबई की जहाँगीर आर्ट गैलरी की तरह, यहां भी चित्रकार अपनी पेंटिंग प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी कला को दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं।

इस भव्य उद्घाटन के दौरान, मंत्री प्रताप सरनाईक भावुक हो गए और कहा, मुझे लगता है कि इस आर्ट गैलरी के निर्माण ने मेरे जीवन को सार्थक बना दिया है। आज, बालासाहेब ठाकरे इस आर्ट गैलरी के माध्यम से जनता से संवाद कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि बालासाहेब ने जो सपना देखा था, वह आज इस आर्ट गैलरी के माध्यम से पूरा हो रहा है। अब मीरा-भायंदर शहर का प्रत्येक नागरिक बालासाहेब को करीब से अनुभव कर सकता है और उनके विचारों से जुड़ सकता है। मैं बालासाहेब का एक वफादार शिव सैनिक हूँ। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा, यह आर्ट गैलरी बालासाहेब के विचारों को जन-जन तक पहुचाने की दिशा में एक उपयोगी और गौरवपूर्ण कदम है। प्रताप सरनाईक द्वारा की गई पहल अनुकरणीय है। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि महाराष्ट्र आज आधुनिक रूप में बालासाहेब की विरासत को देख पा रहा है। यह बहुत गर्व की बात है कि महाराष्ट्र आधुनिक रूप में बालासाहेब की विरासत को देख पा रहा है। यह आर्ट गैलरी प्रताप सरनाईक की एक दूरदर्शी और अनुकरणीय पहल है।

बिना लाइसेंस के विदेशी शराब के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई नायगांव पुलिस स्टेशन की सीमा से गुजरने वाले मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर, एक मुखबिर के माध्यम से सूचना मिलने पर एक भूरे रंग का आयशर वाहन क्रमांक जी.जे. -04 अ 8700 बिना लाइसेंस के गुजरात राज्य में विदेशी शराब ले जा रहा है, पुलिस अधिकारियों और नायगांव पुलिस स्टेशन के प्रभारी ने बापा बीट चौकी पर आयशर टेम्पो को रोका और उसे जब्त कर लिया।

उन्होंने इसमें विदेशी शराब का भंडार पाया और टेम्पो चालक, नईम रफीक भाई और टेम्पो में दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया और छापेमारी की। छापे में कुल 20,65,280/- रुपये का माल जब्त किया गया।

साधुओं के हत्यारे को भाजपा में शामिल करने पर शिवसेना यूबीटी का कटाक्ष, बैकफुट पर हुई भाजपा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पालघर में 2020 में दो साधुओं की पीट पीटकर हत्या करने वाले आरोपी काशीनाथ चौधरी को भाजपा में शामिल करने पर शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह भाजपा की दोहरी राजनीति है। वह वोट के लिए कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे शासनकाल में जिन आरोपियों को सलाखों के पीछे डाल दिया गया था, भाजपा उनका महिमा मंडन करते हुए अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। यह दुर्भाग्य नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि भाजपा सियासत के लिए पूरी तरह से अंधी हो गई है। उसको ना तो सनातन से मतलब है और ना हिंदू मुसलमान से। जनता उनकी दोहरी मानसिकता को समझ रही है। शिवसेना के कड़े विरोध के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने पालघर जिलाध्यक्ष भरत राजपूत को पत्र लिखकर काशीनाथ चौधरी के पार्टी प्रवेश को रद्द करने को कहा है। आनंद दुबे ने कहा कि अगर हम विरोध नहीं करते तो काशीनाथ चौधरी भी पार्टी में शामिल अन्य दागदार लोगों की तरह बेदाग और निर्मल हो जाते।

चुनाव से पहले डोंबिवली में हथियारों का जखीरा बरामद

क्या चुनाव में गड़बड़ी करने के लिए जमा किया गया था हथियार?

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण क्राइम ब्रांच यूनिट-3 ने डोंबिवली के एक फ्लैट पर छापा मारकर देसी पिस्टल, खंजर, धारदार चाकू और तलवार जैसे अवैध हथियार बरामद किया है। क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियारों के साथ 36 वर्षीय रोशन झा नामक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद मानपाड़ा थाने में रोशन झा पर केस दर्ज हो गया है, आरोपी का क्राइम रिकार्ड देखा जाए तो आभी तक दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज है। सूत्रों की माने तो आरोपी झा हथियार सप्लाई करने का काम करता है । इतना खूंखार आरोपी डोंबिवली जैसे हाईफाई सोसायटी में भाड़े का घर लेकर रहता है । किसी को इस बात की भनक तक नही लगी । पुलिस अब घर मालक से भी पूंछतांछ कर रही है।

बतादे की निकाय चुनाव से पहले शहर में इन हथियारों के मिलने से खलबली मच गई है। क्राइम ब्रांच के इंचार्ज अजित शिंदे के मुताबिक डोंबिवली पूर्व के देसले पाड़ा स्थित गोकुलधाम टावर के एक फ्लैट में अवैध हथियारों का जखीरा

छुपा होने की गुप्त सूचना कल्याण अपराध शाखा के एएसआई दत्ता भोसले को मिली थी। सूचना के आधार पर अपराध शाखा की टीम ने उस फ्लैट पर छापा मारा। छापेमारी में 3 देसी पिस्टल, दो खाली मैगजीन, एक खंजर, दो धारदार चाकू और तलवार जैसे हथियार जब्त किया। पुलिस के मुताबिक कुल 2 लाख 12 हजार 500 रुपये के अवैध हथियार बरामद किए गए है। याद रहे कि कुछ ही दिनों में महानगर पालिका के चुनाव होने है। ऐसे में डोंबिवली के एक फ्लैट में हथियार पाए जाने से सनसनी मच गई है। शहर के कुछ जानकार्यो का कहना है कि इतनी बड़ी वारदात में मात्र एक आरोपी पकड़ा जाता है । पुलिस कही न कही आरोपी को बचाने का कार्य कर रही है।

प्रभाग क्र. 96 में वर्षों से लंबित पड़े नाले की संरक्षक दीवार के निर्माण कार्य का भूमिपूजन

रमेश जाधव का प्रभाग के विकास के लिए उल्लेखनीय कदम

कल्याण (उत्तरशक्ति)। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में हाल ही में शिवसेना में शामिल हुए पूर्व महापौर रमेश जाधव ने प्रवेश के तुरंत बाद ही प्रभाग के विकास के लिए उल्लेखनीय कदम उठाए हैं।

शिवसेना में प्रवेश करते ही उन्होंने 45 लाख रुपये का निधि उपलब्ध कराते हुए प्रभाग क्र. 96 में वर्षों से लंबित पड़े नाले की संरक्षक दीवार के निर्माण कार्य के भूमिपूजन को गति दी। इस कार्य से स्थानीय नागरिकों को बरसात के दौरान पानी भरने, रुकने जैसी समस्याओं से बड़ी

राहत मिलने वाली है। इसके साथ ही क्षेत्र की स्वच्छता, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी मदद मिलेगी। शिवसेना के कल्याण पूर्व और उल्हासनगर विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड के हस्ते यह भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमोद परब, राम पावशे, चंद्रकांत पालव, सोनू चंदनशिवे, विष्णू आवडे, निलेश सावंत, सतीश कांबले, मनोहर दलवी, जनार्दन काटकर, सुरेश चव्हाण, पल्लवी भगत, शीतल कहार, दीपाली कांबले, सीमा टाकिया, छाया भालेराव सहित अनेक शिवसैनिक उपस्थित थे।

डॉ एम टी खान नाइट राइडर्स टीम टी20 की बनी विजेता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 16 नवंबर 2025 दिन रविवार को स्पोर्टिंग क्लब्स कमेटी थाने मुंबई ग्राउंड पर कल्याण डऊउ डॉ क्रिकेट टीम और डॉ एम टी खान नाइट राइडर्स की टीम से मुकाबला ळ20 खेला गया जिसमें कल्याण डऊउ टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया के डी सी सी की टीम ने कुल 20 ओवर में 174 रन का टारगेट दिया एम टी खान नाइट राइडर्स टीम 174 रन का पीछा करने उतरी सभी खिलाड़ियों ने अपने-अपने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट होकर 19 ओवर में ळ20 मुकाबला अपने नाम कर ली इसमें सबसे ज्यादा डॉ अफजल खान ने 75 रन की ताबड़तोड़ बेहतरीन बल्लेबाजी की डॉ एम टी खान ने महत्वपूर्ण 53 रन

जोड़े डॉ ओमकार जाधव और डॉ सुहेल खान के अच्छी बल्लेबाजी ने जीत का सफर आसान कर दिया दशकों और खिलाड़ियों से भरा पूरा ठाणे ग्राउंड इस रोमांचक मुकाबले का तालियां बजाकर आनंद उठाते हुए खिलाड़ियों को समय-समय पर उत्साहित कर रही थी, खिलाड़ियों और दर्शकों ने डॉ एम टी खान के विकेट कीपिंग का खूब सराहना की खिलाड़ियों में कप्तान डॉ एम टी खान, उप कप्तान डॉ दानिश, डॉ अफजल डॉ बद्री मंडूरे, डॉ शेषधर बिंद डॉ सोहेल खान ,डॉ नूह, डॉ जावेद, डॉ अजीज, डॉ ओमकार जाधव, डॉ डी एफ एस, सभी ने अपने अपने अच्छे परफॉर्मेंस टीम को दिए।

हर घर सुरक्षित 2025 अभियान के तहत गोदरेज ने लॉन्च की एक्सिडेंटल इन्विटेशन पहल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रमुख व्यवसाय लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस ने आज अपने फ्लैगशिप अभियान हर घर सुरक्षित के 9 वे साल का में प्रवेश करते हुए इसके बड़े विस्तार की घोषणा की। यह विस्तार छअर की तेजी से बढ़ते स्मार्ट होम सेगमेंट में आक्रामक एंट्री को दर्शाता है, जहां कंपनी डिजिटल लॉक्स के मजबूत पोर्टफोलियो के साथ डबल-डिजिट ग्रोथ का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। भारत के मास-प्रिमियम उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट सुरक्षा समाधान को लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से ब्रांड मेड इन इंडिया डिजिटल लॉक्स की अपनी रेंज में डिजाइन और कीमत, दोनों में नवाचार पर केंद्रित है। डिजिटल लॉक्स कैटेगरी में गोदरेज ने 36% उअऋक के साथ उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है और बाजार में अग्रणी स्थिति बनाए रखी है।

हर घर सुरक्षित पहल, जो गोदरेज का प्रमुख होम सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम है, की लॉन्चिंग के अवसर पर ब्रांड ने एक्सिडेंटल इन्विटेशन ऐप पेश किया। यह एक अद्वितीय और शक्तिशाली डिजिटल पहल है, जिसे नागरिकों को सोशल मीडिया पर ओवरशेयरिंग से जुड़े

घरेलू सुरक्षा जोखिमों के प्रति जागरूक करने के लिए डिजाइन किया गया है। मेटा के साथ साझेदारी में विकसित, यह प्लेटफॉर्म उपयोगकताओं को एक पर्सनलाइज्ड 'एक्सीडेंटल इन्विटेशन स्कोर' प्रदान करता है, जो बताता है कि उनकी ऑनलाइन शेयरिंग आदतों से उनके घर की सुरक्षा पर कितना खतरा मंडरा सकता है। इसके साथ ही, यह प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप विशेषज्ञ-निर्मित सुरक्षा समाधान भी उपलब्ध कराता है। यह कैंपेन पूरी तरह से एआई-संचालित है, जिसमें वास्तविक जीवन की परिस्थितियों पर आधारित प्रभावशाली फिल्में शामिल हैं। आज के अति-जुड़े डिजिटल युग में, वास्तविक सुरक्षा केवल दरवाजों पर ताले लगाने से नहीं, बल्कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही दुनिया में सजग और ज़िम्मेदार व्यवहार अपनाने से शुरू होती है। यह पहल लोगों को यह महत्वपूर्ण संदेश देती है कि डिजिटल सतर्कता ही आपके घर का नया सुरक्षा कवच है।

इस अवसर पर श्याम मोटवाणी, बिजनेस हेड, एलएएस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप, ने कहा, पिछले आठ वर्षों से हर घर सुरक्षित ने होम सेफ्टी को संयुक्त जिम्मेदारी के रूप में स्थापित किया है। एक्सीडेंटल इन्विटेशन ऐप के माध्यम से हम इस मिशन को डिजिटल दुनिया तक विस्तारित कर रहे हैं। नियो डिजिटल लॉक्स रेंज का लॉन्च आधुनिक भारतीय घरों के लिए बुद्धिमान सुरक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने और स्मार्ट होम कैटेगरी में हमारी ग्रोथ को तेज करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपनी प्रमुख पहल 'हर घर सुरक्षित' के माध्यम से होम सेफ्टी में क्रांति ला रहे हैं। अब तक 1.7 लाख से अधिक होम सेफ्टी चेक-अप पूरे किए जा चुके हैं, जिसमें अकेले वित्त वर्ष 2026 में 21,000+ चेक-अप शामिल हैं।

प्रजापति समाज मुंबई द्वारा वर-वधू परिचय सम्मेलन आयोजित

मुंबई। प्रजापति समाज मुंबई की ओर से रविवार को मुलुंड (वेस्ट) स्थित सेवाराम लालवानी मनपा शाला में वर-वधू परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शादी योग्य युवक-युवतियों ने अपने परिजनों के साथ भाग लेकर उत्साह दिखाया।

समाज द्वारा बताया गया कि मुंबई में रहने वाले प्रवासी परिवारों की व्यस्त दिनचर्या और समयाभाव के कारण लोग एक-दूसरे से संपर्क नहीं कर पाते, जिससे विवाह योग्य बच्चों के रिश्ते ढूंढने में कठिनाई आती है। इस परिस्थिति को देखते हुए ऐसे परिचय सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है, ताकि एक ही मंच पर समाज के लोग एकत्र होकर आपसी परिचय बढ़ा सकें।

कार्यक्रम के दौरान समाज के अध्यक्ष प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को जोड़ने का बेहतरीन माध्यम हैं। सैकड़ों युवक-युवतियों को एक ही स्थान पर मिलाने से रिश्ते तलाशने में आसानी होती है और समय की बचत भी होती है। उन्होंने

बताया कि परिचय के अभाव में कई बार बच्चों की उम्र बढ़ती जाती है, जिससे आगे चलकर विवाह में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए समाज समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारी एवं समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें शरद प्रजापति, धर्मराज प्रजापति, नंदकिशोर, राम सुरेश, सतिराम, दिलीप, धरमवीर, जयशंकर, रविंदर, अखिलेश, अमरनाथ, चंद्रावली, बंसी, मिथुन, हरिवंश, सतीश बंसी प्रजापति, दीपू, सुनील, डॉक्टर रामबचन, चंदन महाकाल सहित गणमान्य लोग शामिल थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया में रविवार रात्रि नौ बजे हुई सड़क दुर्घटना में घायल दूसरे युवक की मौत हो गई।

वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन युवक जा रहे थे। रात्रि 9 बजे उनकी बाइक किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई उसमें शशांक सिंह पुत्र दीपक सिंह निवासी अमावा थाना दीदारगंज जनपद आजमगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इसके साथ घायल 19 वर्षीय प्रियांश पुत्र सतीश कुमार निवासी सिकरौर थाना सरायमीर और आयुष कुमार यादव पुत्र दीपक यादव निवासी इटौरी थाना सराय ख्वाजा घायल हुए थे। इन्हीं घायलों में आयुष कुमार की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में रात्रि 1:30 बजे मौत हो गई।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह तीनों एक वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। दोनों युवकों की मौत की खबर जैसे ही उनके गांव पहुंची पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों के घरों पर मातम छा गया है। शशांक सिंह के बारे में बताया गया है कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान रहा। उसकी मृत्यु के बाद दीपक सिंह के घर का चिराग बुझ गया।

युवाओं की सेवा भावना के साथ सफल रक्तदान: डॉ.सैफ खान

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज जौनपुर में भव्य रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर में जिला चिकित्सालय जौनपुर के सौजन्य से रक्तदान शिविर का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को समर्पित इस आयोजन में महाविद्यालय की एनएसएस इकाई एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम की सफलता में चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्रदान करने वाले डॉ. सैफ खान एवं डॉ अर्पित, डॉ नवीन, शालिनी, आलोक, सीपी सिंह, विवेक, अरूण सिंह, जिला चिकित्सालय की संपूर्ण स्वास्थ्य टीम का विशेष योगदान रहा। टीम ने रक्तदान से पूर्व सभी प्रतिभागियों की स्वास्थ्य जाँच कर कार्यक्रम की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित की।

इस अवसर पर डॉ. जीवन यादव,डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. विवेक विक्रम सिंह, डॉ. अमित जायसवाल, आर.पी. सिंह, डॉ. गुलाब मौर्य, डॉ. प्रज्वलित, डॉ. आशीष, संतोष सिंह, प्रवीण यादव, अहमद अब्बास, तकरीम फातिमा,उमरा खान,राजन पांडेय आदि की उपस्थिति कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाती रही।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रशासन ने सभी अतिथियों, चिकित्सकीय टीम, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागी छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे मानवता-पोषित कार्यक्रमों के नियमित आयोजन का संकल्प लिया।

केंद्र सरकार लोकतंत्र को नियंत्रित करना चाहती है: नदीम जावेद

जौनपुर में कांग्रेस की पत्रकार वार्ता, चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला और शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

नदीम जावेद ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार देश के लोकतंत्र को एक तरह के एसआईआर सिस्टम में बदलना चाहती है। जहाँ जनता की आवाज को दबा दिया जाए और संस्थाओं पर राजनीतिक दबाव बनाया जाए।

बीजेपी-आरएसएस पर चुनाव आयोग को प्रभावित करने का आरोप: नदीम जावेद ने कहा कि चुनाव आयोग पर बीजेपी और आरएसएस का अनुचित प्रभाव लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किए जाने को चिंताजनक बताया। साथ ही बिहार में चुनावी रिकॉर्ड नष्ट किए जाने की घटना को उन्होंने डकैती जैसा कृत्य कहा।

बीजेपी और ओवैसी एक ही सिक्के के दो पहलू: पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि बीजेपी और ओवैसी दोनों ही जाति और धर्म आधारित राजनीति करके समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत कांग्रेस पार्टी सभी धर्मों और समुदायों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

राहुल गांधी के साथ आम जनता खड़ी है: नदीम जावेद ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा और वोट चोरी यात्रा ने साबित कर दिया है कि राहुल गांधी के साथ देश का आम नागरिक खड़ा है। उन्होंने जिला और शहर कांग्रेस की टीमों द्वारा संगठन मजबूत करने के प्रयासों की भी सराहना की।

चुनाव आयोग के खिलाफ जन आंदोलन की तैयारी: उन्होंने कहा कि कांग्रेस आने वाले दिनों में चुनाव आयोग की पक्षपातपूर्ण भूमिका के खिलाफ बड़ा जन आंदोलन शुरू करेगी, ताकि जनता के वोट के अधिकार की रक्षा हो सके। अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनता की आवाज की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी।

पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, शहर अध्यक्ष आरिफ खान, पूर्व अध्यक्ष लालजी चौहान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, लाल प्रकाश पाल और इरशाद खान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

लायंस क्लब विश्व का सबसे बड़ा सेवा संगठन: प्रतिमा गुप्ता

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के कार्य सराहनीय: धर्मेन्द गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321ई के रीजन चेयरपर्सन ला.प्रतिमा गुप्ता और जोन चेयरपर्सन ला.धर्मेन्द गुप्ता की लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की अधिकारिक यात्रा पूरे गरिमामय तरीके से रविवार को नगर के गोकुलघाट, पुरानी बाजार पर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर रीजन चेयरपर्सन प्रतिमा गुप्ता ने कहा लायंस क्लब विश्व की सबसे बड़ी समाजसेवी संगठन है। जिसका प्रमुख उद्देश्य अपने से कम भाग्यशाली लोगों की निस्वार्थ सेवा करना है लायन सदस्य एमजेएफ फंड में डोनेट कर इसे मजबूती प्रदान करते हैं। जोन चेयरपर्सन धर्मेन्द्र गुप्ता ने कहा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के सभी कार्य सराहनीय व प्रेरणादायक है। इस अवसर पर जोन आब्जर्वर के रूप में उपस्थित मनीष गुप्ता ने कहा लायंस क्लब विश्व के सौ से ज्यादा देशों में कार्य कर रही है। इसका सदस्य होना गौरव की बात है! उन्होंने कहा संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता की सोच और निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर के दिशा निर्देशन में क्लब अपने नाम के अनुरूप कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय है। कार्यक्रम की शुरूआत डा.विष्णु गौड़ द्वारा ध्वज वंदना से हुआ तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत और

माल्यार्पण किया गया। क्लब सचिव बालकृष्ण साहू ने क्लब के कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत किया क्लब अध्यक्ष संजीव साहू ने सभी का स्वागत करते हुए। आगामी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की जानकारी दी जिसे सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से सराहा गया। बैठक का संचालन उपाध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने किया। सभी के प्रति आभार कार्यक्रम संयोजक अमित गुप्ता ने व्यक्त किया। आधिकारिक यात्रा के समापन पश्चात क्लब द्वारा दीपोत्सव के उपलक्ष्य में एक पारिवारिक सद्भाव मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें सभी लायन सदस्यों ने सपरिवार प्रतिभाग कर विभिन्न प्रकार के लजीज व्यंजनों का आनंद लेते हुए। सामाजिक सद्भाव को मजबूती प्रदान किया। इस मौके पर अनेक प्रकार के कपल गेम्स, लेडीज गेम्स, चाइल्ड गेम्स

रीजन व जोन चेयरपर्सन की अधिकारिक यात्रा सम्पन्न

व प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसके विजेताओं को क्लब अध्यक्ष संजीव साहू व फर्स्ट लेडी विभा गुप्ता ने पुरस्कार देकर सबका हौसला बढ़ाया। इस कार्यक्रम का संचालन अभिताश गुप्ता व दीपशिखा चौरसिया ने संयुक्त रूप से किया। सचिव बालकृष्ण साहू, कोषाध्यक्ष राजकुमार कश्यप व राजेश किशोर श्रीवास्तव, गोपाल साहू, प्रदीप प्रधान कार्यक्रम को पूरी भव्यता के साथ सम्पन्न कराने में लगे रहे। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर आंनद साहू, सन्तोष अग्रहरि, रसाल बरनवाल, नवीन गुप्ता, राजेश अग्रहरि, रेनू बैंकर, रीता कश्यप, राकेश साहू, अभिषेक जायसवाल, मनोज साहू, अजयनाथ जायसवाल, योगेश साहू, राजेन्द्र स्वर्णकार, राज केशरी, अभिषेक बैंकर, नित्यानंद गुप्ता, रीता सोनी, सिद्धार्थ साहू, राकेश राज पुरोहित, आशीष गुप्ता, अमित गुप्ता, ऋषि श्रीवास्तव, सुजीत अग्रहरि, अमित गुप्ता (हार्डवेयर) इत्यादि सपरिवार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हबीब हॉस्पिटल की तरफ से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

533 छात्राओं ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण, डॉ.इरम फिरदोस ने दी महत्वपूर्ण सलाह

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के अस्मा इंटर कॉलेज पाराकमाल में सोमवार को हबीब

हॉस्पिटल, खेतासराय के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में छात्राओं, अभिभावकों और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक मौलाना अब्दुल वहीद कासमी ने फीता काटकर किया।

स्वास्थ्य शिविर में छात्राओं का हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, वजन, पीसीओडी सहित अन्य स्वास्थ्य जांचें की गईं। चिकित्सकों की टीम ने छात्राओं को संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित व्यायाम और बदलते मौसम में स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

शिविर की मुख्य चिकित्सक हबीब हॉस्पिटल की डॉ. इरम फिरदोस (एमबीबीएस, एम.एस., स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने बताया कि बदलती दिनचर्या और मौसम के प्रभाव में किशोरियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण से बीमारियों की समय रहते पहचान हो जाती है। उन्होंने बताया कि कई छात्राओं में हीमोग्लोबिन की कमी, पीसीओडी और कम वजन जैसी समस्याएँ पाई गईं, जिनके लिए आवश्यक उपचार और आगे की जांच की सलाह दी गई।

विद्यालय के प्रबंधक मौलाना अब्दुल वहीद कासमी ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर छात्रों के स्वस्थ भविष्य के लिए बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने चिकित्सक टीम का आभार व्यक्त किया। शिविर में कुल 533 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे छात्राओं में स्वास्थ्य-जागरूकता बढ़ेगी।

इस अवसर पर मो0 फरहान, फैजी नोमानी, मो0 आसिफ, मालती गुप्ता, मनीषा, कविता, आफरीन हफीजुल्लाह आदि लोगों ने शिविर में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत मे आयोजक विद्यालय के संचालक अम्मार वहीद ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

रोजगार मेला आयोजित 19 नवम्बर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन कार्यालय, जौनपुर ने अवगत कराया है कि निदेशक सेवायोजन उ0प्र0 लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वाधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर कैम्पस जौनपुर में 19 नवम्बर 2025 को प्रातः 10.00 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। मेले में निजी क्षेत्रों की विभिन्न कंपनियों में रोजगार हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है, जिसकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटर, आईटीआई एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आईडीप्रुफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

वाराणसी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक करेंगे पदयात्रा, जनसभा को भी करेंगे संबोधित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सोमवार को वाराणसी आएंगे। वे वाराणसी में पदयात्रा का शुभारंभ करेंगे। वहीं जनसभा को संबोधित करेंगे। डिप्टी सीएम सोमवार की दोपहर डेढ़ बजे रविदास गेट स्थित रामलीला मैदान में पदयात्रा का उट्घान करेंगे। इसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री महमूरगंज स्थित श्रृंगेरी शंकराचार्य मठ में आयोजित समारोह में हिस्सा लेंगे। डिप्टी सीएम दोपहर बाद वाराणसी से रवाना होंगे। वहीं प्रयागराज में आयोजित चिकित्सकों के सेवा सम्मान कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। डिप्टी सीएम के आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट है।

मारकुंडी में व्यवसायी पर नकाबपोश लुटेरों का हमला

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमा पुलिस चौकी अंतर्गत मारकुंडी ग्राम पंचायत का रेलवे अण्डरग्राउंड पुल लगातार अपराधियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। देर रात करीब 11 बजे करगरा मोड़ मारकुंडी से दुकान बंद कर लौट रहे एक व्यवसायी पर नकाबपोश हथियारबंद लुटेरों ने प्राणघातक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरमा कॉलोनी निवासी फीदा हुसैन उर्फ अंकुर (40 वर्ष) प्रतिदिन की तरह अपनी दुकान बंद कर बुलेट मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही उन्होंने अण्डरग्राउंड रेलवे पुल पार किया, रेलवे स्टेशन वाले मार्ग के किनारे अंधेरे में छिपे 3-4 अज्ञात नकाबपोश लुटेरों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, और असफल होने पर लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट आई और वे लहूलुहान होकर गिर पड़े। परिजनों के अनुसार यदि धारदार हथियार का वार गर्दन पर पड़ जाता तो जानलेवा हो सकता था। इस दौरान पीछे से दो बाइक के हेडलाइट की रोशनी पड़ते ही हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने घायल को तुरंत जिला चिकित्सालय रॉबर्ट्सगंज पहुँचाया। चिकित्सकों के मुताबिक घायल की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों ने गुरमा चौकी पुलिस व चोपन थाने को तहरीर देकर मामले की जांच कर अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

औषधि निरीक्षक के जांच अभियान से दवा व्यवसाइयों में मचा हड़कम्प

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में उस समय हड़कम्प की स्थिति बन गयी जब दवा कारोबार से जुड़े लोगों को पता चला की जिला औषधि निरीक्षक नगर में सघन चेकिंग अभियान चला रहे हैं।चेकिंग की खबर से बहुत से मेडिकल स्टोरों के सटर धड़ाधड़ गिर गए।और दुकानदार एक दूसरे से पल पल की खबर लेते दिखे।

सोमवार की दोपहर जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पाण्डेय अपनी टीम ने कोडीन उक्त कफ सीरप, व एनआरएक्स श्रेणी की सेल करने वाली मेडिकल एजेंसियों की सघन जांच की गई।टीम ने औचक निरक्षक में मून मेडिकल एजेंसी, ईशा मेडिकल हाल, उत्कर्ष ड्रग हाउस सहित अन्य मेडिकल स्टोर की सघन जांच पड़ताल की गई। इस सम्बंध में जिला औषधि

धड़ाधड़ गिरी मेडिकल स्टोरों के सटर

निरीक्षक रजत कुमार पांडेय ने बताया की औचक निरीक्षण कोडीन उक्त कफ सीरप, एनआरएक्स श्रेणी की दवाओं को रोकथाम लगाने की दृष्टि से की गई है।

मेडिकल एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वर्ष 2024-25 और अब तक कोडिन युक्त कफ सिरप और एनआरएक्स श्रेडी की औषधि के खरीद विक्रय संबंध अभिलेख कार्यालय में दिया जाए। खरीद और बिक्री बिल का सत्यापन तक औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 22(1)(डी) के अंतरगत कोडिन युक्त कफ सिरप और एनआरएक्स श्रेडी की औषधि के खरीद पर रोक तत्काल प्रभाव से लगाई गई है।

ईशा मेडिकल हॉल और उत्कर्ष ड्रग हाउस की जांच की गई और फर्म द्वारा खरीद और बिक्री बिल का सत्यापन के निर्देश दिए गए है। यदि फर्म आदेश का उल्लंघन करती पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपरोक्त फर्म की बिक्री एवं खरीद रिपोर्ट की जांच के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

नेहा प्रथम, शिवन्या द्वितीय और प्रियांशी को मिला तृतीय स्थान

दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत स्लोगन प्रतियोगिता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन रचनात्मक एवं जागरूकता-प्रधान माहौल में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति का आयोजन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हो रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में सामाजिक संवेदनशीलता, महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों तथा लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था।

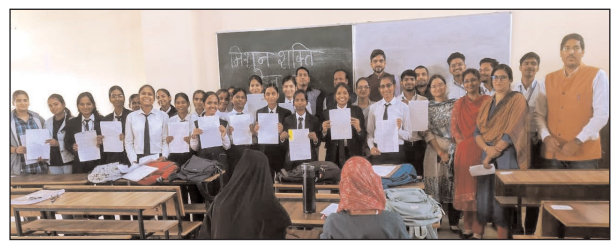

प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर प्रभावशाली एवं सारगर्भित नारे प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक समझ कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। सूक्ष्म मूल्यांकन के बाद घोषित परिणाम के अनुसार नेहा प्रथम, शिवन्या प्रजापति द्वितीय, तथा प्रियांशी मौर्य तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. विनोद कुमार एवं डॉ. राहुल राय ने किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहित्यिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वनिता सिंह एवं डॉ. राजित राम सोनकर द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत यह पहल विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता का मंच प्रदान करने का सतत प्रयास है।

निगोह बाजार में बिना नंबर की संदिग्ध कार मिलने से हड़कंप, पुलिस ने जेसीबी से उठवाकर थाने भिजवाया

दिनेश विश्वकर्मा, बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के निगोह बाजार में बिना नंबर की संदिग्ध कार मिलने से मंगलवार शाम हड़कंप मच गया। लगभग शाम चार बजे एक नई सफेद कार बाजार के पास बस्ती की ओर जाने वाले रास्ते पर आकर अचानक खड़ी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार से उतरने वाले लोग दूसरी गाड़ी में बैठकर तेजी से वहां से निकल गए, जबकि संदिग्ध कार उसी स्थान पर खड़ी रह गई। काफी देर तक वाहन स्वामी के न लौटने पर स्थानीय लोगों को शक हुआ और उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार का गेट खोलने का प्रयास किया, लेकिन कार लॉक होने के कारण अंदर की जांच संभव नहीं हो सकी। सुरक्षा कारणों से पुलिस ने जेसीबी की मदद से संदिग्ध कार को उठवाकर बरसठी थाने भिजवा दिया, जहां उसे सुरक्षित रखा गया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस ने आश्वासन दिया है कि पूरी जांच के बाद सच्चाई सामने लाई जाएगी।

जिलाधिकारी ने टीम जौनपुर से उत्साह और संकल्प के साथ कार्य करने की अपेक्षा को सराहा

मिशन मोड में कार्य कर लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने अवगत कराया है कि विगत 02 महीने से टीम जौनपुर द्वारा सामूहिक प्रयास, कुशल नेतृत्व, और संगठित प्रयास से समर्थ पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है और चुनौतियों का जिस प्रकार सामना किया गया है, वह अत्यंत सराहनीय है। जनपदवासियों के योगदान के कारण ही ह्वविकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश/2047 के लिए समर्थ पोर्टल पर सुझाव देने में जनपद अब तक शीर्ष पर है। समर्थ पोर्टल पर सुझाव देने की अंतिम तिथि पुनः बढ़ा दी गई है। जिलाधिकारी ने आमजनमानस से अपील की है कि सभी लोग ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक और गुणवत्तापूर्ण सुझाव देकर जनपद को शीर्ष पर बनाए रखे।

जिलाधिकारी ने सभी से अपेक्षा की है है कि उसी उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। वर्तमान स्थिति में प्रत्येक नागरिक की आशाएँ टीम जौनपुर से जुड़ी हुई हैं, और उनका मनोबल बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

अधिकारीगणों एवं टीम के सभी सदस्यों से आग्रह है कि वे मिशन मोड में कार्य करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अधिकतम प्रयास सुनिश्चित करें, जिससे जौनपुर अंतिम विजय की ओर अग्रसर हो सके।

समाजहित के लिये समर्पित रहेगा 55 करोड़ की लागत से बना जायसवाल भवन: मदन लाल

अखिल भारतीय सर्ववर्गीय जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के जनपद आगमन पर हुआ जोरदार स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लगभग 55 करोड़ की लागत से गुजरात में जायसवाल भवन अहमदाबाद का निर्माण कराया गया है। इसके लिये समाज के लोगों से 5 रुपये का कोई शुल्क नहीं लिया गया है। फरवरी 2026 में यह पूर्ण रूप से तैयार हो जायेगा जो समाज हित के कार्यों के लिये समाज को सौंप दिया जायेगा। उक्त बातें अखिल भारतीय सर्ववर्गीय जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल (गुजरात) ने सोमवार को पत्र–प्रतिनिधियों से हुई वार्ता के दौरान कही। जनपद के वरिष्ठ पत्रकार एवं महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता/मीडिया प्रभारी रामजी जायसवाल के शेषपुर स्थित आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि पाल्हनपुर, देवाश में भी जायसवाल समाज का भवन तैयार किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि हर राज्य में समाज के कम से कम 5 भवन हों, ताकि समाज के बेटे-बेटियों के विवाह के लिये काम आ सके। 20 वर्षों से हम समाज के लिये सामूहिक विवाह का आयोजन कर रहे हैं जिसमें 101 विवाह, 72 विवाह, 63 विवाह, 84 विवाह, 115 विवाह कराया जा चुका है। आगामी 23 जनवरी 2026 को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में 101 सामूहिक विवाह का आयोजन तय है। श्री जायसवाल ने समाज

का आह्वान करते हुये कहा कि हम चाहते हैं कि समाज के लोग एक–दूसरे से जुड़ें। सभी लोग मिलकर समाज को आगे लेकर चलें। समाज के अन्दर जो भी भाई-बहन राजनीति में हैं, उनसे मेरा निवेदन है कि वह जिस भी पार्टी में हैं, समाज के लोगों को जोड़ने एवं समाज को आगे लेकर चलने का काम करें, क्योंकि राजनीति में अपने समाज का एक व्यक्ति आयेगा तो समाज हमारा और मजबूत होगा। राजनीति ही समाज को आगे बढ़ाने में सक्षम रहती है, क्योंकि राजनीति से बहुत सारे काम हो जाते हैं। हम चाहते भी है कि राजनीति में भी हमारे बच्चे आगे बढ़ें। राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा कि हमें हर्ष हो रहा है कि अंतिम 10 वर्षों में आईएएस एवं आईपीएस की सूची में जायसवाल समाज के 5-7 बच्चों का भी नाम होता है। समाज के बच्चों में जागरुकता लाने के लिये आईएएस–आईपीएस की तैयारी के लिये अहमदाबाद में क्लास भी चलायेंगे। इतना ही नहीं, जगह-जगह भी ऐसे क्लास चलाये जायेंगे तथा जो भी कमजोर वर्ग के लोग हैं, हम सब समाज के लोग मिलकर उनकी मदद करेंगे। इसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष के जनपद आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया गया जिसका नेतृत्व महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता रामजी जायसवाल ने किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव के पीआरओ इं. कृष्ण कुमार जायसवाल मुन्नू, सपा नेता श्रवण जायसवाल, जायसवाल समाज के अगुवा सर्वेश जायसवाल, श्री लक्ष्मी पूजा महासतिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, ध्रुव जायसवाल, अंकित जायसवाल, शुभांशू जायसवाल, दीपक जायसवाल, तेजस जायसवाल, राजेश, अमन, वैभव, किशन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

डाबर च्यवनप्राश का अक्षय कुमार के साथ नया कैंपेन

मुंबई। भारत की सबसे भरोसेमंद नैचुरल हेल्थकेयर कंपनी डाबर ने डाबर च्यवनप्राश के लिए अपने नए हाई-इम्पैक्ट कैंपेन बीमार या तैयार के लॉन्च की घोषणा की है। ब्राण्ड अम्बेसडर और फिटनैस आइकन अक्षय कुमार के साथ फिल्माए गए इस कैंपेन की अवधारणा मैक कैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया ने तैयार की है, जो मौसम में होने वाले बदलाव और पर्यावरणी चुनौतियों के लिए तैयार रहने के महत्व पर जोर देता है। यह नया कैंपेन इस बात पर जोर देता है कि अगर आप बदलते मौसम के लिए तैयार न रहें तो आप बीमार हो सकते हैं। और इस तैयारी में मदद करता है 40 से अधिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से बना डाबर च्यवनप्राश, जो सिर्फ एक उपचार नहीं, बल्कि भीतरी क्षमता और इम्युनिटी बढ़ाने वाला डेली रिचुअल है। यह कैंपेन उपभोक्ताओं को बीमारी के इलाज के बजाए इसकी रोकथाम के लिए प्रेरित करता है। श्रीराम पद्मनाभन, डाइरेक्टर हेल्थकेयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कैंपेन का लॉन्च करते हुए कहा, आज की चुनौतियों से भरी दुनिया में पूरी तरह से तैयार रहना ही जीत हासिल करने का एकमात्र तरीका है। आज के दौर में आप बीमारी के कारण अचानक अपने काम से छुट्टी नहीं ले सकते। हमारा मानना है कि इम्युनिटी ही आपको बीमारी से लड़ने के लिए तैयार करती है।अक्षय कुमार ने कहा, मेरा हमेशा से यही मानना है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। अपने रूटीन की बात करूं, तो खासतौर पर बदलते मौसम में मैं अपने शरीर को तैयार करने पर ध्यान देता हूं। मेरा मानना है कि डाबर च्यवनप्राश ऐसा प्रोडक्ट है जो आपको भीतर से तैयार करता है।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ हुआ दुष्कर्म,मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के चकदोस्त दियावा गांव की एक युवती ने ननिहाल में आये युवक के ऊपर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि पड़ोस में ही ननिहाल में आये करन चौहान रुका हुआ था इसी बीच युवती व करन चौहान के बीच नजदीकियां बढ़ती गई,और दोनों के बीच प्रेम सम्बन्ध हो गया। बातचीत लगभग दो माह तक किया। फिर करन उसको कही भगा लें गया। युवती के साथ लगभग सात दिन तक शारीरिक सम्बन्ध बनाने के बाद करन युवती को अपने घर जमुआ,थाना सिकरारा आकर लगभग 10 दिन तक रुका रहा और युवती के परिजनों को सूचना दी। दोनों परिवारों के रजामंदी से शादी 24 नवम्बर 2025 को होनी थी युवती के परिजन शादी का कार्ड भी छपा लिये थे कि उसी बीच करन व उसके परिजन ने शादी करने से इनकार कर दिया। रविवार को युवती व उसके पिता लिखित तहरीर में शादी टूटने व दुष्कर्म का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी निरीक्षक देवानंद रजक ने बताया कि लिखित तहरीर के आधार सम्बंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

छात्रा को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज

मड़ियाहूं , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 10 की छात्रा को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला सामने आया है। किशोरी की मां के अनुसार 11 नवंबर की रात लगभग 10 बजे उनकी 17 वर्षीय पुत्री अचानक लापता हो गई। परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शुक्रवार को पीड़िता की मां ने कोतवाली पहुंचकर गांव के ही एक युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल खोजबीन के लिए एक टीम गठित की है, जो संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही किशोरी बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती का शव मिला, इलाके में सनसनी

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना पचपेड़वा क्षेत्र के भाथर सरयू नहर पुल के पास गुरुवार शाम एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, 06 मार्च 2025 को लगभग शाम 6:25 बजे पुलिस को सूचना मिली कि सरयू नहर पुल के पास एक महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 19 वर्ष प्रतीत हो रही है। अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। घटना के संबंध में थाना पचपेड़वा में रपट संख्या 79 दर्ज कर मु.अ.सं. 52/2025 धारा 103(1) इठर के तहत केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है। मृतका का हुलिया रंग सांवला, शरीर औसत, पहनावा सफेद रंग की रेडीमेड पैंट (आगे नाड़ा बंधा हुआ), ऊपर फुल बाजू काले रंग की टी-शर्ट, विशेष पहचान दाएँ हाथ की हथेली में सामान्य पाँच उंगलियों के अतिरिक्त एक और अंगूठा, कुल दो अंगूठे मौजूद। पुलिस ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को मृतका की पहचान या उससे संबंधित कोई जानकारी हो तो निम्न मोबाइल नंबरों पर संपर्क करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उपयुक्त इनाम दिया जाएगा। वह संपर्क नंबरः प्रभारी निरीक्षक पचपेड़वाः 7897801357 क्षेत्र अधिकारी तुलसीपुर / अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुरः 9454401366, अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुरः 9454401028, ओ. पी. चौहान, प्रभारी निरीक्षक, थाना पचपेड़वा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

पत्नी का गला घोंटकर नहर में फेंका, बोला- न जाने कहां चली गई

मेरठ (उत्तरशक्ति)। छह महीने से लापता चल रही इंदिरापुरम कालोनी निवासी रीता (26) की हत्या कर शव गंगनहर में फेंका गया था। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए परतापुर थाना पुलिस ने पति सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पुलिस ने हत्यारोपी पति हरिनंदन, सास रामपरी, ससुर शंभुशरण, देवर दिपांशु और कार चालक प्रवेश शामिल हैं। जांच में सामने आया कि पति के प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर रीता की हत्या की गई। उसके लापता होने की कहानी बनाकर पति मुंबई में अपने दोस्त के पास जाकर छिप गया था। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि मूलरूप से बिहार के दरभंगा जिले के सिहोल थाना क्षेत्र के विरोज गांव निवासी हरिनंदन यादव पत्नी रीता के अलावा तीन वर्षीय बेटी आयुषी के साथ परतापुर की इंदिरापुरम कॉलोनी में रह रहा था। वह परतापुर की एक कंपनी में काम करता था। इसी वर्ष 24 मई को रीता के पिता गणेश ने परतापुर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो सर्विलांस के माध्यम ने हरिनंदन का फोन मुंबई में ट्रेस किया गया। वहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सीओ के अनुसार पूछताछ में हरिनंदन ने बताया कि उसका एक महिला से प्रेम-प्रसंग हो गया था।

इसकी जानकारी रीता को लगी तो वह लड़ाई करने लगी। कुछ दिन बाद उसने रीता को हरिद्वार घुमाने के बहाने ले जाकर उसकी हत्या कर दी और शव खतौली गंगनहर में फेंक दिया। इसके बाद वह बेटी को लेकर दरभंगा पहुंचा और ससुर गणेश को रेलवे स्टेशन से रीता के लापता होने की झूठी सूचना दी। हरिनंदन ने बताया कि उसने अपने दोस्त परतापुर निवासी प्रवेश की कार किराए पर बुक की थी। इसके बाद पत्नी रीता को हरिद्वार में घुमाने ले जाने के बारे में कहा। वह उसे कार से ले गया। रास्ते में खतौली में एक सुनसान जगह पर कार रोकी। कार में ही रीता की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को गंगनहर में फेंक दिया। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि महिला के शव की तलाश की जा रही है।

उद्यान विभाग द्वारा नि:शुल्क लहसुन बीज पाकर कृषको के खिले चेहरे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि 17 नवम्बर 2025 को कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कैम्पस में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत मशाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम में जनपद के लगभग 300 कृषको को कैम्प लगाकर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या के कर कमलो द्वारा लहसुन बीज वितरित किया गया। जनपद के 21 विकास खण्डो से कृषको द्वारा पंजीयन किया गया था, बडी संख्या में कृषको के उपस्थित होने के कारण कृषको के बीच टोकन के माध्यम से लहसुन बीज वितरित किया गया। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने विभागीय योजनाओ यथा- एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत नवीन उद्यान रोपण कार्यक्रम अर्न्तगत ड्रैगन फ्रूट की खेती, मशरूम उत्पादन इकाई स्थापना मशाला क्षेत्र विस्तार अन्तर्गत लहसुन, प्याज की खेती के सम्बन्ध में एंव हर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजनान्तर्गत सिंचाई संयत्रो की स्थापना व इससे होने वाले लाभ के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए, कृषको को उद्यान विभाग द्वारा जनपद में चलायी जा रही सभी योजनाओ में कृषको से बढ चढ कर लाभ लेने का आहवन किया तथा सभी फसलो को परम्परागत सिंचाई से हट कर मिनी स्प्रिंकलर, एंव ड्रिप इरीगेशन सिस्टम से सिंचाई करने पर जोर दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता श्री रामसूरत मौर्या ने प्रदेश में योगी सरकार द्वारा किये जा रहे है कार्यो की उच्च गुणवत्ता एंव सुचिता के लिए, सरकार का धन्यवाद दिया और कृषको के बीच इतनी बडी मात्रा में निःशुल्क वितरित किये जा रहे लहसुन बीज पर खुशी जाहिर करते हुए जिला उद्यान अधिकारी को धन्यवाद दिया। मुख्य अतिथि द्वारा कृषको को सम्बोधित करते हुए बताया कि अभी हाल ही में उद्यान विभाग द्वारा उच्च गुणवत्ता के प्याज का बीज निःशुल्क वितरित किया गया। जबकि बाजार में प्याज बीज की कीमत रू0 2500 से 3000 प्रति किग्रा0 है। जनपद में कम जोत वाले कृषको के लिए अपने प्रयास से और जनपदो की अपेक्षा लहसुन व प्याज का लक्ष्य इतना अधिक मिलने के लिए जिला उद्यान अधिकारी के प्रयास की हम सराहना करते है। कार्यक्रम के अन्त में जिला उद्यान अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि एंव सुदूर ब्लाको से आये हुए कृषको को धन्यवाद ज्ञिपत किया। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि कृषक भाई योजना में पंजीयन कराकर अभिलेख कार्यालय में जमा कराकर निःशुल्क लहसुन बीज प्राप्त कर सकते है।

संगीत साहित्य मंच की 125 वीं काव्यगोष्ठी संपन्न

ठाणे। जनपद में विगत तीन दशकों से अनवरत सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेवा कर रही संस्था संगीत साहित्य मंच विगत कुछ वर्षों से साहित्य के क्षेत्र में कार्य करते हुए 125 वीं काव्यगोष्ठी रविवार 16 नवंबर 2025 को आनलाइन रख कर किर्तिमान स्थापित किया है। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विधु भूषण त्रिवेदी (विद्या वाचस्पति) ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप उपस्थित थे।मंच का खूबसूरत संचालन शिक्षाविद उमेशचंद्र मिश्र प्रभाकर ने किया तथा आभार सह संयोजक सदाशिव चतुर्वेदी मधुर ने किया। उपस्थित साहित्यकारों में गीतकार अरुण मिश्र अनुरागी,संयोजक रामजीत गुप्ता,कवियत्री किरण तिवारी,डॉ शारदा प्रसाद दुबे शरदचन्द्र,सदाशिव चतुर्वेदी मधुर के साथ कार्यक्रम अध्यक्ष,मुख्य अतिथि एवं संचालक उपस्थित रहे। खूबसूरत गीत, गजल, छंद से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।अध्यक्षता कर रहे विधु भूषण त्रिवेदी ने सभी की रचनाओं की तारीफ किया तथा मधुर स्वर में काव्यपाठ हेतु किरण तिवारी को 501 रुपए पारितोषिक देकर प्रोत्साहित किया।

महाराजगंज नपा की विकास योजनाओं में आएगी रफ्तार

चुनाव कार्य समाप्त होते ही ईओ ने दिया लंबित योजनाओं को शुरू करने का निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज विधानसभा चुनाव की व्यस्तताओं के कारण बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की रफ्तार धीमी पड़ गई थी।

चुनाव कार्य में अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती के चलते नगर पंचायत की कई परियोजनाएं लंबित हो गई थीं। अब जबकि चुनावी प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी विपिन कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी पेंडिंग योजनाओं के कार्य को तुरंत पुनः शुरू किया जाए। ईओ कुमार ने बताया कि नगर पंचायत की कई प्रमुख विकास योजनाएं जैसे सड़कों का निर्माण, नाली-ढलाई, पेयजल आपूर्ति से जुड़ा सुधार कार्य, शहर स्वच्छता से संबंधित परियोजनाएं लंबित थीं।

इन सभी की फाइलें पुनः सक्रिय कर विभागीय स्तर पर आदेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड की बैठक में जो योजनाएं स्वीकृत हुई थीं, उनका भी जल्द ही कार्य आरंभ कराया जाएगा, ताकि शहरवासियों को तेजी से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कर शहर की सबसे बड़ी समस्या कचरा डम्पिंग यार्ड को लेकर भी महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। ईओ ने बताया कि नगर पंचायत इस पर कार्रवाई में लगे है।

भारत का सबसे बड़ा वरिष्ठ नागरिक उत्सव ख्याल 50Above50 शानदार सफलता के साथ संपन्न

मुंबई। भारत की वरिष्ठ नागरिकों की सबसे प्रेरणादायक और जीवंत पहल के रूप में, ख्याल का 50Above50 मेगा इवेंट में सक्रिय वृद्धावस्था के जश्न को एक नई ऊंचाई दी। दो दिवसीय यह ऐतिहासिक आयोजन मुंबई के Nesco Exhibition Centre में संपन्न हुआ, जिसने भारत में वरिष्ठ समुदाय को सशक्त बनाने और सम्मानित करने के तरीके को पुनःपरिभाषित किया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री और ख्याल 50Above50 ब्रांड एंबेसडर रोहिणी हट्टंगड़ी ने किया। उनके साथ मंच पर उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथि – राकेश बेदी, मंगेश गवाडे, यास्मिन सैत, और मंसूर दलाल – जिन्होंने पूरे उत्सव को प्रेरणादायक ऊर्जा से भर दिया। इस आयोजन में 5,500 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों ने भाग लिया। भारत के विभिन्न हिस्सों से परिवारों ने यात्रा कर इस ऐतिहासिक उत्सव का हिस्सा बनने के लिए मुंबई का रुख किया। सभी आयु वर्गों की उत्साही भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि सक्रिय वृद्धावस्था केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक जीवंत आंदोलन है। इस आयोजन में भारत के 50+ समुदाय की अद्भुत प्रतिभा, ऊर्जा, और उत्सव का प्रदर्शन हुआ। विविध कलाओं का एक असाधारण प्रदर्शन हुआ, जिसमें कृष्णा बोंगाने की सोलफुल इंडियन क्लासिकल म्यूजिक से लेकर आरडी बॉर्जर्स डांस ग्रुप के ऊर्जावान प्रदर्शन तक शामिल थे। प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद तौफीक कुरैशी ने भी अपनी सोल-स्टिरिंग प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वर्ल्ड व्हिसलिंग चैंपियन और प्रशिक्षित गायक निखिल राने, और प्रसिद्ध संगीत निर्देशक और गिटारवादक गिरिजा मराठे (दादा साहब फाल्के की परपोती) ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। फोल्क्सवागन बैंड ने लोक संगीत को जीवन दिया, जबकि अतुल खत्री की स्टैंड-अप कॉमेडी ने दर्शकों को हंसाया। ख्याल के 50Above50 मेगा इवेंट में केवल मनोरंजन के अलावा सेवानिवृत्ति योजना के हर पहलू पर विचार-विमर्श करने वाले सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों ने वरिष्ठ नागरिकों को उद्देश्यपूर्ण, आत्मनिर्भर और गरिमापूर्ण जीवन की दिशा में प्रेरित किया। ख्याल 50Above50 की ब्रांड एंबेसडर रोहिणी हट्टंगड़ी ने कहाः बहुत लंबे समय तक समाज ने वृद्धावस्था को सीमाओं के चश्मे से देखा है। लेकिन यहाँ खड़े होकर, इन प्रतिभाशाली, जुझारू और रचनात्मक लोगों को देखकर वह धारणा पूरी तरह टूट गई है। इस उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक अनुभव रहा। यहाँ जो ऊर्जा, प्रतिभा और उत्साह देखने को मिला, वह इस बात का प्रमाण है कि उम्र वास्तव में सिर्फ एक संख्या है। ख्याल ने भारत की 50+ उम्र आबादी की जीवंतता और संभावनाओं को बेहद सशक्त रूप में प्रस्तुत किया है।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने बच्चों को रोड सेफ्टी की स्मार्ट सीख दी

बोकारो(उत्तरशक्ति)। सुरक्षित सड़कें और जिम्मेदार नागरिक बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने बोकारो, झारखंड में डॉ. राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल और डी नोबिली स्कूल में एक प्रभावशाली सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस अभियान में 2000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिन्होंने सुरक्षित और जिम्मेदार सड़क व्यवहार की बुनियादी बातें सीखीं। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को यह समझाना है कि सड़क सुरक्षा केवल एक बार की सीख नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। सत्रों ने छात्रों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि कैसे जेब्रा क्रॉसिंग का इस्तेमाल करना, ध्यान भटकाने से बचना और हेलमेट पहनना जैसी छोटी-छोटी बातें भी सड़क सुरक्षा में बड़ा फर्क ला सकती हैं। इंटरएक्टिव मॉड्यूल्स और डेमोंस्ट्रेशन के जरिए इस पहल ने प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा को असल ज़िंदगी की स्थितियों से जोड़ने में मदद की, जिससे यह संदेश और भी ज्यादा असरदार और यादगार बन गया। इन सत्रों ने बच्चों को अपने परिवारों में सेफ्टी इंफ्लुएंसर की भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित किया, जिससे यह जागरूकता सिर्फ क्लासरूम तक सीमित न रहकर घर-घर तक पहुंच सके। बोकारो में हुआ यह अभियान, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया पूरे भारत में सड़क सुरक्षा जागरूकता फैलाने की बड़ी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में होंडा ने ग्राउंड एक्टिवेशन, डिजिटल कैंपेन और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी के जरिए लाखों लोगों तक यह संदेश पहुँचाया है। बोकारो जैसे हर आयोजन का मकसद है युवाओं के बीच जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाना, ताकि सड़क सुरक्षा सिर्फ एक नियम नहीं, बल्कि एक आदत बन सके।

हिमालया वेलनेस ने भारतीय महिला आइस हॉकी टीम के साथ साझेदारी में लॉन्च किया सीरम युक्त बॉडी लोशन

ठाणे। भारत के सबसे भरोसेमंद पर्सनल केयर ब्रांडों में से एक, हिमालया वेलनेस ने भारतीय महिला आइस हॉकी टीम के साथ साझेदारी करते हुए अपना नया अभियान StrongWomenSoftSkin लॉन्च किया है, जिसके तहत ब्रांड ने हिमालया कोकोआ बटर इंटेंसिव सीरम बॉडी लोशन पेश किया है। अपने श्रेणी का पहला, यह इनोवेटिव लोशन सीरम के लाभों और 100% प्राकृतिक अवयवों से तैयार किया गया है, जो त्वचा को गहन पोषण और दीर्घकालिक देखभाल प्रदान करता है। यह सहयोग उन महिलाओं का सम्मान करता है जो सीमाओं को लांघकर चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करती हैं। डिजिटल वीडियो कैंपेन में भारतीय महिला आइस हॉकी टीम को दिखाया गया है। फिल्म की शुरूआत लॉकर रूम से होती है, जहाँ खिलाड़ी बर्फ पर उतरने से पहले हिमालय कोकोआ बटर इंटेंसिव सीरम बॉडी लोशन का उपयोग करती हैं। फिल्म लोशन के गहन, सुरक्षात्मक पोषण को एथलीटों की ताकत और लचीलेपन के बीच समान रुप से रखती है, तथा यह दिखाती है कि यह लोशन अत्यधिक सर्दियों के हालात में भी त्वचा को नमीयुक्त बनाए रखने की क्षमता रखता है। जहाँ दृढ़ता की सबसे अधिक परीक्षा होती है, वहाँ भी अपना प्रभाव बनाए रखते हुए यह लोशन मॉइस्चराइजेशन के स्वर्ण मानक के तौर पर उभरता है, तथा हर चुनौती के दौरान त्वचा को कोमल और नमीयुक्त बनाए रखता है। प्राकृतिक कोको युक्त सीरम से समृद्ध ये लोशन 48 घंटे तक मॉइस्चराइजेशन प्रदान करता है और त्वचा के अनुकूल पीएच 5.5 सुरक्षा बनाए रखता है। राजेश कृष्णमूर्ति, बिजनेस डायरेक्टर कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन, हिमालया वेलनेस ने कहा, भारतीय महिला आइस हॉकी टीम के साथ साझेदारी हमें शक्ति और दृढ़ता जैसे मूल्यों का उत्सव मनाने का अवसर देती है - ऐसे मूल्य जो हमेशा हिमालय वेलनेस के मूल में रहे हैं।

नायगांव में ज्वेलरी दुकान में सेंधमारी का प्रयास

-मयूर सोनी

नायगांव, वसई रोड (उत्तरशक्ति)। गत शनिवार को नायगांव पूर्व के टिवारी रोड स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स में देर रात चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने का प्रयास विफल हो गया। दुकान मालिक नारायण रंजीत सिंह ने इस संबंध में नायगांव पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, 14 नवंबर की रात दुकान बंद करने के बाद कोई संदिग्ध हलचल नहीं थी। लेकिन तड़के लगभग 4:30 बजे उनके परिचित गोपाल सिंह ने घर आकर जानकारी दी कि दुकान का सायरन बज रहा है। दुकान पहुंचने पर मालिक ने देखा कि स्टोर की पिछली दीवार में बड़ा छेद किया गया था। अंदर लोहे का पहार (सांचा) भी गिरा हुआ मिला, जिससे स्पष्ट होता है कि चोर दुकान में प्रवेश कर चुका था। सीसीटीवी फुटेज में रात लगभग 3:56 बजे एक युवक दीवार तोड़कर दुकान के अंदर जाता दिखाई दिया। उसकी उम्र 25-30 वर्ष, कद 5 फीट 6 इंच, सिर पर टोपी और चेहरे पर काला कपड़ा बंधा हुआ था। उसने वाइन-रेड रंग की शर्ट और नीली जींस पहनी हुई थी। फुटेज में वह कटर से सीसीटीवी की वायर काटता नजर आया, जिसके तुरंत बाद कैमरा बंद हो गया। हालांकि चोर दुकान में घुस चुका था, मगर लॉकर में रखे सोने-चांदी के सभी आभूषण सुरक्षित मिले। मौके से पुलिस को दुकान के पीछे से गैस सिलेंडर, गैस कटर और अन्य उपकरणों से भरा बैग मिला है, जिससे संकेत मिलता है कि आरोपी बड़ी चोरी की योजना बनाकर आया था। नायगांव पुलिस ने आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ दीवार तोड़कर चोरी का प्रयास करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सम्मनपुर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन

जौनपुर। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित सम्मनपुर गांव में समाजसेवी एवं व्यवसाई डीएस तिवारी के यहां 21 नवंबर से 27 नवंबर तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया है। श्रीधाम वृंदावन के प्रख्यात कथावाचक रमाकांत उर्मिलिया (राम जी महाराज) व्यास पीठ पर विराजमान होंगे। मुख्य यजमान के रूप में बद्रीनारायण तिवारी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता तिवारी सभी दिन कथा श्रवण का लाभ प्राप्त करेंगे। 21 नवंबर को सुबह 9 बजे कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक संगीतमय कथा का लाभ उठाया जा सकता है। 28 नवंबर को हवन प्रसाद तथा प्रीति भोज का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में स्वागताकांक्षी के रूप में शिवनारायण तिवारी, जय नारायण तिवारी, विजय नारायण तिवारी, अजीत तिवारी, अजय तिवारी, अमित तिवारी तथा संदीप तिवारी उपस्थित रहेंगे।

वरळी पुलिस कार्यालय में बैठक, सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

मुंबई। गत गुरुवार को बाळासाहेब विजय जगताप सहाय्यक पोलीस निरीक्षक वरळी हेडक्वार्टर मुंबई एक खास मुलाकात की गई और वरळी पुलिस कर्यालय से जनता की समस्याओ का समाधान करे,नशा मुक्त करे,आए दिन नाबालिक बच्चियो के साथ हो रहे बलात्कार और ऐसे आदमखोरो को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए जैसे अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के समय समाजसेवक, समाजसेविका, परिवर्तन संघटना,भामला फाउंडेशन,सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना(शिंदे गुट) गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई श्रद्धा गोरगे ज्योतिष व सुखबिंदर सिंह (लाला भाई)की मौजूद रहे।

खेसारी के साथ बिहार में जे भइल, वही हाल अब यूपी में अखिलेश के होइ...जनता खेल समझेले, खेलाड़ी बदलेले!

वोट चोरी नहीं हुई, अखिलेश की लोकप्रियता चोरी हो गई है! : निरहुआ

-सुरेश गांधी

भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा नेता दिनेश लाल यादव निरहुआ से आजमगढ़ में मुलाकात के दौरान हुई सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से हुई विशेष वार्ता में उन्होंने विपक्ष, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और बिहार व यूपी की राजनीति पर खुलकर बात की। मंदिर दर्शन से लेकर जनता के जनादेश तक, निरहुआ एक-एक सवाल पर बगैर लाग : लपेट के बोले। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के नेताओं के आरोपों और भ्रमजाल पर सीधा प्रहार किया है। प्रस्तुत है बातचीत के कुछ प्रमुख अंश : -प्रश्न : बिहार चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर विपक्ष वोट चोरी और ईवीएम हैकिंग का आरोप लगा रहा है। क्या कहेंगे?

निरहुआ : देखिए सुरेश जी, विपक्ष की हालत वही है, हार हुई तो मशीन खराब! अगर वोट चोरी होती तो मैं आजमगढ़ से क्यों हारता? क्या मेरी ईवीएम अलग थी? विपक्ष के नेता हारते ही रोना शुरू कर देते हैं। उन्होंने तल्खी से कहा, जिस घर में डाका पड़ा ही नहीं, उसके लोग ही चिल्ला रहे हैं कि डाका पड़ गया। जनता कह रही है क्या? नहीं! फिर चोरी किस बात की? निरहुआ ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार की योजनाओं ने जनता का विश्वास जीता है, और विपक्ष की काल्पनिक चोरी जनता हँसते हुए खारिज कर रही है।

प्रश्न : अखिलेश यादव लगातार कह रहे हैं कि उनका वोट चोरी हुआ। इसका क्या जवाब देंगे?

निरहुआ (सीधे, आक्रामक अंदाज में) : अखिलेश यादव अब भी सपने देख रहे हैं. उन्हें जनता ने बार-बार जगाया, पर जाग नहीं रहे। वोट चोरी नहीं हुई, उनकी लोकप्रियता चोरी हो गई है! उन्होंने कहा, जब जनता ही नहीं कह रही कि वोट चोरी हुआ, तो अकेले अखिलेश का रोना किस काम का? इसी तरह फालतू मुद्दों पर राजनीति करेंगे तो यही दुर्गति होगी। अभी भी होश में नहीं आए तो भगवान मालिक है। प्रश्न : आपने कहा कि खेसारी लाल यादव की तरह अखिलेश यादव का हाल होगा। क्या मतलब है इसका?

निरहुआ : खेसारी ने सनातन और राम मंदिर पर जो भाषा इस्तेमाल की, जनता ने उसी दिन निर्णय ले लिया था कि इसे जवाब देना है। अखिलेश यादव ने भी वही गलती दोहराई। निरहुआ ने कड़े स्वर में कहा, सनातन पर उंगली उठाओगे तो जनता हाथ पकड़कर नीचे कर देगी। राम मंदिर का विरोध करोगे तो जनता चौक-चौराहे पर जवाब दे देगी। जो भावनाओं से खिलवाड़ करेगा उसका यही हाल होगा, खेसारी वाला हाल।

प्रश्न : बिहार के चुनाव में महिलाओं को 10,000 रुपये देने वाले वादे को विपक्ष आपकी जीत का कारण बता रहा है?

निरहुआ : ये विपक्ष का बचकाना आरोप है। उन्होंने कहा, जनता ने पैसा देखकर नहीं, गुंडाराज देखकर वोट दिया। राजद के लोग चुनाव से पहले ही धमकाने लगे थे, जनता डरती नहीं, वोट से जवाब देती है।

प्रश्न : लालू प्रसाद यादव के परिवार में जो विवाद सामने आ रहा है, उस पर आपकी प्रतिक्रिया?

निरहुआ (तीखे तंज के साथ) : जब परिवार ही साथ नहीं, तो राजनीति का क्या अर्थ? रोहिणी आचार्य ने घर छोड़ा, यह केवल पारिवारिक विवाद नहीं, यह नेतृत्व के चरित्र पर सवाल है। परिवार टूटा हुआ, सोचना टूटा हुआ... ऐसे में जनता भरोसा क्यों करेगी? उन्होंने तेजस्वी पर बिना नाम लिए वार किया, जो अपने घर को नहीं संभाल पा रहे, वे प्रदेश कैसे संभालेंगे?

प्रश्न : आपकी हार के बावजूद आप सक्रिय दिखते हैं। कैसे देखते हैं?

निरहुआ : हार-जीत राजनीति का हिस्सा है। लेकिन मैं आजमगढ़ का बेटा हूँ, हार से भागने वाला नहीं। उन्होंने जोड़ा, मैं आजमगढ़, दिल्ली ट्रेन की सौगात दिलाने में जुटा हूँ। वाराणसी : गोरखपुर रेल लाइन तेजी से बन रही है। रिंग रोड परियोजना शुरू होने वाली है। मैं जनता की सेवा में हमेशा खड़ा हूँ, यह मेरा धर्म है।

प्रश्न : विपक्ष का कहना है कि एनडीए प्रचार नहीं, मशीन से जीता है। आपका जवाब? निरहुआ (हँसते हुए, फिर गंभीर होकर) : अगर मशीन इतनी ही बीजेपी के पक्ष में होती, तो मैं, मैं निरहुआ, आजमगढ़ से क्यों हारता? यह प्रश्न विपक्ष के पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, विपक्ष का असली संकट यह है कि जनता पर भरोसा नहीं, अपनी हार पर शर्म नहीं, बस मशीन पर आरोप है।